आश्विन कृष्णा - 6 ▪ संवत 2082 ▪ वर्ष - 21 ▪ अंक - 51 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 13-09-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 कांग्रेस का दशकों से हो रहा है पतन : भाजपा

6 ट्रंप के बदले तेवर के पीछे की असल कहानी

7 रूश सिंधु ने जीता 'मिस इंटरनेशनल इंडिया 2025' का ताज

फर्स्ट टेक

सहारा के जमाकर्ताओं का बकाया चुकाने के लिए 5,000 करोड़ रुपए जारी करने का आदेश

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सहारा समूह की सहकारी समितियों के जमाकर्ताओं का बकाया चुकाने के लिए शुक्रवार को बाजार नियामक सेबी के पास जमा धनराशि में से 5,000 करोड़ रुपये जारी करने का आदेश दिया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने केंद्र सरकार द्वारा दायर उस आवेदन को मंजूरी दी जिसमें सेबी-सहारा रिफंड खाते में रखी राशि से जमाकर्ताओं को भुगतान करने का अनुरोध किया गया था। इसके साथ ही न्यायालय ने दिसंबर, 2023 में आवंटित 5,000 करोड़ रुपये के वितरण की अंतिम तिथि को 31 दिसंबर, 2025 से बढ़ाकर 31 दिसंबर, 2026 कर दिया है। शीर्ष अदालत ने निर्देश दिया कि 5,000 करोड़ रुपये की राशि सेबी-सहारा रिफंड खाते से सहकारी समितियों के केंद्रीय पंजीयक को हस्तांतरित की जाए जो जांच-पड़ताल के बाद वास्तविक जमाकर्ताओं को यह राशि वितरित करेगा।

मानसून की वापसी 15 सितंबर के आसपास शुरू हो सकती है : आईएमडी

नई दिल्ली/भाषा। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शुक्रवार को कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून 15 सितंबर के आसपास उत्तर-पश्चिम भारत से वापसी शुरू कर सकता है। मानसून आमतौर पर एक जून तक केरल में दस्तक देता है और आठ जुलाई तक पूरे देश में फैल जाता है। यह 17 सितंबर के आसपास उत्तर-पश्चिम भारत से वापसी शुरू करता है और 15 अक्टूबर तक पूरी तरह से लौट जाता है। आईएमडी ने एक बयान में कहा, ''15 सितंबर के आसपास पश्चिमी राजस्थान के कुछ हिस्सों से दक्षिण-पश्चिम मानसून की वापसी के लिए परिस्थितियां अनुकूल होती जा रही हैं।''

भारत, फ्रांस ने आतंकवाद विरोधी सहयोग बढ़ाने का संकल्प लिया

नई दिल्ली/भाषा। भारत और फ्रांस ने आतंकवाद, उग्रवाद और कट्टरपंथ से निपटने में सहयोग बढ़ाने का संकल्प लिया है। उन्होंने पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा भी की है। दोनों देशों ने आतंकवाद से मुकाबले पर भारत-फ्रांस संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) की बृहस्पतिवार को पेरिस में हुई बैठक में इन खतरों से संयुक्त रूप से निपटने पर विचार-विमर्श किया।

भारतीय पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण से 'बौद्धिक चोरी' रूकेगी : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भारत की प्राचीन पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण से ''बौद्धिक चोरी'' रूकेगी। उन्होंने कहा कि अन्य लोगों ने देश की पारंपरिक ज्ञान संपदा में मौजूद जानकारी की नकल की और उसका पेटेंट करा लिया।

ज्ञान भारतम पर यहां विज्ञान भवन में, 'पांडुलिपि विरासत के माध्यम से भारत के ज्ञान धरोहर की पुन:प्राप्ति' विषय पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह पहल ''स्वदेशी'' और ''आत्मनिर्भर भारत'' की अवधारणा के साथ आगे बढ़ने के देश के संकल्प का विस्तार है। उन्होंने कहा कि भारत अब सदियों से अपनी पांडुलिपियों में संरक्षित प्राचीन ज्ञान की विरासत को दुनिया के समक्ष गर्व से प्रस्तुत कर रहा है।

मोदी ने देश भर में मौजूद इन पांडुलिपियों को डिजिटल बनाने के सरकार के लक्ष्य में साथ काम करने के लिए निजी संगठनों की सराहना की और कहा कि अब तक 10 लाख से अधिक पांडुलिपियों का डिजिटलीकरण किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि भारत थाईलैंड, वियतनाम और मंगोलिया जैसे अन्य देशों के साथ काम कर रहा है, जिनके साथ उसके सांस्कृतिक संबंध रहे हैं और जहां ऐसी पांडुलिपियां हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह आयोजन भारत के स्वर्णिम अतीत के पुनर्जागरण का साक्षी है। उन्होंने कहा कि इसकी ज्ञान परंपरा इतनी समृद्ध है क्योंकि यह संरक्षण, नवाचार और अनुकूलन के स्तंभों पर टिकी हुई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के पास दुनिया का सबसे बड़ा संग्रह है, जिसमें लगभग एक करोड़ पांडुलिपियां हैं।

मोदी ने कहा, ''अतीत में करोड़ों पांडुलिपियां नष्ट हो गईं, लेकिन जो बची हैं, वे दर्शाती हैं कि हमारे पूर्वज ज्ञान, विज्ञान और शिक्षा के प्रति कितने समर्पित थे।'' उन्होंने कहा कि भारत अपनी सांस्कृतिक पहचान, चेतना और आत्मा के साथ एक जीवंत धारा है तथा इसका इतिहास केवल राजवंशों के उत्थान और पतन तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत की पांडुलिपियों में संपूर्ण मानवता की विकास यात्रा के वृत्तांत समाहित हैं।

मोदी ने देश की पांडुलिपियों को ''खजाना'' और ''राष्ट्र का गौरव'' बताते हुए कहा कि इन प्राचीन कृतियों में, ''हमें भारतीय लोकाचार के शाश्वत प्रवाह देखने को मिलते हैं।''

प्रधानमंत्री ने पांडुलिपियों के डिजिटलीकरण, संरक्षण और सार्वजनिक पहुंच में तेजी लाने के लिए एक समर्पित डिजिटल प्लेटफॉर्म, 'ज्ञान भारतम' पोर्टल की भी शुरूआत की।

आगमन के तुरंत बाद, उन्होंने सबसे पहले कार्यक्रम स्थल पर आयोजित प्रदर्शनी का दौरा किया, जिसमें कुछ दुर्लभ भारतीय पांडुलिपियों का प्रदर्शन किया गया।

हासन में गणेश विसर्जन यात्रा में ट्रक के घुस जाने से आठ लोगों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हासन/भाषा। कर्नाटक में हासन जिले के एक गांव में शुक्रवार रात गणेश विसर्जन यात्रा में एक ट्रक के घुस जाने से आठ लोगों की मौत हो गई और 20 से अधिक लोग घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी।

यह घटना गणेश चतुर्थी समारोह के अंतिम दिन रात लगभग आठ बजकर 45 मिनट पर मोसाले होसाहल्ली गांव में हुई।

सूत्रों ने कहा, ''मृतकों में से अधिकतर युवा लड़के हैं।'' उन्होंने बताया कि 20 से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें इलाज के लिए हासन के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि ट्रक कथित तौर पर अरकलागुडु से आ रहा था और चालक का वाहन पर से नियंत्रण खो जाने के बाद ट्रक ने श्रद्धालुओं को कुचल दिया।

केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने कहा, ''हासन तालुका के मोसाले होसाहल्ली में गणपति विसर्जन यात्रा के दौरान हुए भीषण हादसे की खबर सुनकर मुझे बहुत दुख हुआ।''

'वोट चोरों' को गद्दी छोड़ने पर मजबूर कर सकते हैं : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जूनागढ़/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को ''वोट चोरी'' की बात दोहराते हुए सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर चुनाव में धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया और अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं से कहा कि वे नागरिकों के समर्थन से ''वोट चोरों'' को गद्दी छोड़ने पर मजबूर कर सकते हैं।

महाभारत के युद्ध का हवाला देते हुए उन्होंने भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) नेताओं को कौरवों के रूप में पेश करने का प्रयास किया, जो अधर्म और छल के प्रतीक थे। उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पांडव बताया। महाभारत की लड़ाई में पांडव विजयी हुए थे।

गांधी ने भाजपा शासित गुजरात में पार्टी के 'संगठन सृजन अभियान' के तहत जूनागढ़ में प्रदेश कांग्रेस के जिला और शहर इकाई अध्यक्षों को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। इस संबोधन के बाद, कांग्रेस सेवा दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालजी देसाई ने मीडिया को गांधी के भाषण के बारे में जानकारी दी और कहा कि उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से प्रमुख मुद्दों से भटकने से बचने का आग्रह किया।

देसाई ने कहा, ''राहुलजी ने हमें बताया कि भाजपा और आरएसएस के नेता महाभारत के कौरवों की तरह हैं, जबकि कांग्रेस कार्यकर्ता पांडवों की भूमिका में हैं। सभी जानते हैं कि भाजपा सत्ता में आने के लिए पहले लोगों को बांटती है और फिर सारे संसाधन लूट लेती है। राहुल जी ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को ऐसी विचारधारा के खिलाफ लड़ने की जरूरत है।''

लोकसभा में विपक्ष के नेता गांधी ने सभा में मौजूद लोगों से कहा कि उनकी पार्टी देश के नागरिकों की ओर से एक राजनीतिक लड़ाई लड़ रही है।

देसाई ने कहा, ''उन्होंने (गांधी) कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं को मुख्य मुद्दों से भटकना नहीं चाहिए। हम वास्तव में जनता की लड़ाई लड़ रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी की मां से जुड़े एआई वीडियो को लेकर पुलिस में शिकायत दर्ज

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई के एक कार्यकर्ता ने शुक्रवार को पुलिस में शिकायत देकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दिवंगत मां का कथित एआई जनित वीडियो साझा करने में शामिल कांग्रेस नेताओं के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की। दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि शिकायत नॉर्थ एवेन्यू पुलिस थाने में दी गई है और उचित कानूनी कार्रवाई के लिए पड़ताल की जा रही है। उन्होंने बताया कि मामले में अभी तक कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है। भाजपा कार्यकर्ता संकेत गुप्ता ने पुलिस को दी शिकायत में दावा किया है कि कांग्रेस की बिहार इकाई की ओर से प्रसारित एआई-जनित वीडियो ने प्रधानमंत्री और उनकी दिवंगत मां की छवि धूमिल की है तथा कानूनों, नैतिक मानदंडों एवं महिलाओं की गरिमा का उल्लंघन किया है। गुप्ता ने वीडियो के लिए कांग्रेस पार्टी और उसके पदाधिकारियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की उचित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज करने और सोशल मीडिया मंच 'एक्स' को सामग्री हटाने का निर्देश देने की मांग की।

शिवकुमार ने अलमाटी मुद्दे पर फडणवीस से कहा

'यह हमारा पानी है, हमारा हक है, आप इसे रोक नहीं सकते'

▪ अलमाटी बांध की ऊंचाई 524 मीटर बढ़ाने का फैसला हमारे हक में (अदालत से) आ चुका है, बस (केंद्र से) गजट अधिसूचना जारी होना बाकी है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिवमोग्गा (कर्नाटक)/भाषा। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने अलमाटी बांध की ऊंचाई बढ़ाने की राज्य की प्रस्तावित योजना पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा आपत्ति जताए जाने पर शुक्रवार को पलटवार किया और कहा कि पड़ोसी राज्य इसे नहीं रोक सकता।

जल संसाधन विभाग का भी कार्यभार संभाल रहे उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने कहा, ''यह हमारा पानी है, हमारा हक है।''

फडणवीस ने बृहस्पतिवार को कथित तौर पर कहा था कि उनकी सरकार कर्नाटक द्वारा अलमाटी बांध की ऊंचाई बढ़ाने के किसी भी प्रयास को चुनौती देने के लिए उच्चतम न्यायालय का रुख करेगी।

शिवकुमार ने कहा, ''फडणवीस ने कहा है कि वे (महाराष्ट्र) कृष्णा नदी के संबंध में गजट अधिसूचना की अनुमति नहीं देंगे - अलमाटी बांध की ऊंचाई 524 मीटर तक बढ़ाने के लिए। मैं फडणवीस से कहना चाहता हूं कि आप न्यायाधीश नहीं हैं। यह हमारा पानी है, हमारा हक है..... 524 मीटर बढ़ाने का फैसला हमारे हक में (अदालत से) आ चुका है, बस (केद्र से) गजट अधिसूचना जारी होना बाकी है। आप इसे रोक नहीं सकते।'' उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, ''आप राजनीति कर सकते हैं, लेकिन आपकी पूरी पार्टी (भाजपा) कर्नाटक में बिखर जाएगी। हम इस मुद्दे पर चुनाव लड़ेंगे, हमें पता है कि कैसे करना है।'' उन्होंने कहा, ''16 सितंबर को मंत्रिमंडल की विशेष बैठक के दौरान, हम अपर कृष्णा परियोजना (यूकेपी) चरण 3 के लिए भूमि अधिग्रहण पर किसानों को मुआवजा देने पर फैसला करेंगे। हम किसानों की मदद करना चाहते हैं, भाजपा किसानों के खिलाफ काम कर रही है...।''

अपर कृष्णा परियोजना के तीसरे चरण में अलमाटी बांध की ऊंचाई 519 मीटर से बढ़ाकर 524 मीटर करना शामिल है, जिससे भंडारण क्षमता 100 टीएमसी फुट बढ़ जाएगी। इसके लिए 1.33 लाख एकड़ भूमि के अधिग्रहण की आवश्यकता होगी, जिसमें 75,563 एकड़ भूमि जलमग्न हो जाएगी।

13-09-2025 सूर्यास्त	14-09-2025 सूर्योदय
6:22 बजे	6:08 बजे

BSE	NSE
81,904.70	25,114.00
(+355.98)	(+108.50)

सोना	चांदी
11,081 रु.	127,055 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

ये राजनीति वाले

राजनीति करने वाले क्या,
हैं जनसेवक सब सच्चे?
कैसे कुछ सालों में होते,
इनके सारे दिन अच्छे?
सेवा की सेवादारी लख,
धनपति खा जाते गच्चे।
इनको देख-देख कर उड़ते,
जन गण मन के परखच्चे।।

रूसी तेल की खरीद पर टैरिफ भारत के साथ दरार पैदा करता है

मैंने सात संघर्ष सुलझाए हैं। मैंने कई संघर्ष सुलझाए, जिनमें पाकिस्तान और भारत भी शामिल हैं, साथ ही बड़े संघर्ष, जिनमें से कुछ अनसुलझे थे, जैसे कांगो और रवांडा। मैंने उन्हें सुलझाया।

न्यूयॉर्क/भाषा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि रूसी तेल खरीदने को लेकर भारत पर टैरिफ (शुल्क) लगाना आसान काम नहीं है और यह ''भारत के साथ दरार पैदा करता है।'' ट्रंप ने शुक्रवार को 'फॉक्स एंड फ्रेंड्स' को दिये साक्षात्कार में कहा, ''देखिए, भारत उनका (रूसी तेल का) सबसे बड़ा ग्राहक है। मैंने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया क्योंकि वे रूस से तेल खरीद रहे हैं। यह कोई आसान काम नहीं है। यह एक बड़ी बात है और इससे भारत के साथ दरार पैदा होती है।''

अमेरिकी राष्ट्रपति से पूछा गया था कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर शिकंजा कसने का क्या मतलब है, जिसके जवाब में ट्रंप ने यह कहा। उन्होंने कहा, ''लेकिन मैं यह पहले ही कर चुका हूं। मैंने बहुत कुछ किया है।'' ट्रंप ने कहा, ''और याद रखें कि यह हमारी समस्या से कहीं अधिक यूरोप की समस्या है।''

साक्षात्कार में, ट्रंप ने अपने इस दावे को भी दोहराया कि उन्होंने राष्ट्रपति के रूप में अपने दूसरे कार्यकाल में अब तक सात संघर्षों को सुलझाया है। ट्रंप ने कहा, ''मैंने सात संघर्ष सुलझाए हैं। मैंने कई संघर्ष सुलझाए, जिनमें पाकिस्तान और भारत भी शामिल हैं, साथ ही बड़े संघर्ष, जिनमें से कुछ अनसुलझे थे, जैसे कांगो और रवांडा। मैंने उन्हें सुलझाया। यह 31 सालों से चल रहा था, लाखों लोग मारे गए। मैंने ऐसे संघर्ष सुलझाए जो अनसुलझे थे।'' रूस से कच्चे तेल की खरीद का बचाव करते हुए, भारत यह कहता रहा है कि उसकी ऊर्जा खरीद राष्ट्रीय हित और बाजार की गतिशीलता से प्रेरित है।

चंद्रपुरम पोन्नुसामी राधाकृष्णन ने उप राष्ट्रपति पद की शपथ ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। चंद्रपुरम पोन्नुसामी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को देश के 15 वें उपराष्ट्रपति पद की शपथ ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में श्री राधाकृष्णन को पद की शपथ दिलायी। इससे पहले राधाकृष्णन के उप राष्ट्रपति निर्वाचित होने से संबंधित निर्वाचन आयोग का प्रमाण पत्र पढकर सुनाया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, पूर्व उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड, वेंकैया नायडू , हामिद अंसारी , लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह , केन्द्रीय मंत्री प्रकाश नड्डा , नितिन गडकरी और कई अन्य केन्द्रीय मंत्री तथा अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

धनखड़ के स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा देने के बाद 9 सितम्बर को उप राष्ट्रपति का चुनाव कराया गया था। इस चुनाव में केंद्र में सत्तारूढ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार रहे श्री राधाकृष्णन निर्वाचित घोषित किये गये थे। उन्होंने विपक्ष के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी को 152 मतों के बड़े अंतर से हराया ।

राधाकृष्णन अब तक महाराष्ट्र के राज्यपाल थे। चार मई, 1957 को तमिलनाडु के तिरुप्पुर में जन्मे राधाकृष्णन बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में स्नातक हैं। उन्होंने अपना सार्वजनिक जीवन राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) के स्वयंसेवक के रूप में शुरु किया और अब वह देश के उप राष्ट्रपति चुने गये हैं।

राधाकृष्णन ने सार्वजनिक जीवन राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) के स्वयंसेवक के रूप में शुरु किया और सन 1974 में भारतीय जनसंघ की राज्य कार्यकारिणी के सदस्य बने। उन्हें 1996 में तमिलनाडु में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का सचिव नियुक्त किया गया। वे 1998 में कोयंबटूर से पहली बार लोकसभा के लिए चुने गए। वर्ष 1999 में वे पुन: लोकसभा के लिए चुने गए।

नेपाल की पहली महिला प्रधानमंत्री के रूप में

पूर्व प्रधान न्यायाधीश सुशीला कार्की ने शपथ ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

काठमांडू/भाषा। पूर्व प्रधान न्यायाधीश सुशीला कार्की ने शुक्रवार को नेपाल की पहली महिला प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। वह अंतरिम सरकार का नेतृत्व करेंगी।

इसके साथ ही नेपाल में राजनीतिक अस्थिरता समाप्त हो सकती है क्योंकि कथित भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया पर प्रतिबंधों के खिलाफ युवाओं के हिंसक प्रदर्शन के चलते मंगलवार को के पी शर्मा ओली को अचानक प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था।

राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने राष्ट्रपति कार्यालय में 73 वर्षीय कार्की को पद की शपथ दिलाई। इस अवसर पर राष्ट्रपति पौडेल और नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री के अलावा, उपराष्ट्रपति राम सहाय यादव और प्रधान न्यायाधीश प्रकाश मान सिंह रावत भी उपस्थित थे।

राष्ट्रपति पौडेल ने कहा कि नई कार्यवाहक सरकार को छह महीने के भीतर नए संसदीय चुनाव कराने का दायित्व सौंपा गया है।

अयोग्य 97 लाख वाहनों को कबाड़ में बदलने से मिलेगा 40,000 करोड़ रुपए जीएसटी : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि यदि देश में सभी 97 लाख अयोग्य एवं प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को कबाड़ में तब्दील कर दिया जाए तो केंद्र और राज्यों को जीएसटी के रूप में 40,000 करोड़ रुपए तक का लाभ होगा। उन्होंने बताया कि अगस्त महीने तक तीन लाख वाहन कबाड़ घोषित किए जा चुके हैं जिनमें 1.41 लाख सरकारी वाहन भी शामिल हैं।

गडकरी ने वाहन कलपुर्जा विनिर्माताओं के निकाय 'एक्मा' के वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, हमारे अनुमान के मुताबिक करीब 97 लाख वाहनों को कबाड़ में बदलने की जरूरत है। ऐसा होने पर 70 लाख नौकरियां पैदा होंगी और केंद्र एवं राज्यों को जीएसटी राजस्व के तौर पर करीब 40,000 करोड़ रुपए मिलेंगे। उन्होंने निजी क्षेत्र से आग्रह किया कि वाहन को कबाड़ में देने यानी स्क्रैप का प्रमाणपत्र जमा करने वाले ग्राहकों को नए वाहन खरीदते समय कम से कम पांच प्रतिशत की छूट दें। गडकरी ने कहा कि वर्तमान में हर महीने औसतन 16,830 वाहन स्क्रैप हो रहे हैं और निजी क्षेत्र ने इस क्षेत्र में 2,700 करोड़ रुपए का निवेश किया है। सरकार ने पर्यावरण-अनुकूल तरीके से चलने के अयोग्य हो चुके एवं प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को चरणबद्ध ढंग से हटाने के लिए 'स्वैच्छिक वाहन बेड़ा आधुनिकीकरण कार्यक्रम' (वी-वीएमपी) लागू किया हुआ है।

मोटर वाहन नियमों के तहत वाणिज्यिक वाहनों के लिए फिटनेस जांच कराना अनिवार्य है। यह जांच आठ साल तक हर दो साल पर करना होता है और फिर हर साल करना जरूरी होता है। निजी वाहनों के मामले में फिटनेस जांच 15 साल की अवधि पूरी होने के बाद करानी होती है। सरकारी वाहनों की उपयोग अवधि 15 साल के बाद समाप्त हो जाती है। गडकरी ने ऊर्जा सुरक्षा एवं ईंधन आयात पर भी ध्यान केंद्रित किया।

उन्होंने कहा कि भारत हर साल 22 लाख करोड़ रुपए के पेट्रोल-डीजल ईंधन का आयात करता है और कृषि से एथनॉल उत्पादन बढ़ाकर आयात पर निर्भरता कम की जा सकती है। ई-20 पेट्रोल फिलहाल छोटे इंजन संशोधनों के साथ इस्तेमाल किया जा रहा है जबकि ई-27 की मिलावट के बारे में कोई निर्णय सभी जांच पूरे होने के बाद ही लिया जाएगा।

उन्होंने सड़क सुरक्षा पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि 2023 में पांच लाख सड़क दुर्घटनाएं हुईं जिनमें 1.8 लाख लोगों की मौत हुई। इनमें 66 प्रतिशत लोग 18-34 वर्ष की उम्र के थे। गडकरी ने भारत को आने वाले पांच वर्षों में दुनिया का अग्रणी वाहन उद्योग का विश्वास भी जताया।

सरकार छह महीने बाद चांदी के आभूषणों की हॉलमार्किंग अनिवार्य कर सकती: बीआईएस महानिदेशक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार स्वैच्छिक आधार पर शुरू की गई चांदी के आभूषणों और वस्तुओं की हॉलमार्किंग को अनिवार्य बनाने की प्रक्रिया की प्रभाविता का मूल्यांकन करने के बाद इनकी हॉलमार्किंग को अनिवार्य बनाने के बारे में विचार करेगी।

सरकार ने चार सितंबर को एक सितंबर से प्रभावी चांदी के आभूषणों और वस्तुओं के लिए स्वैच्छिक हॉलमार्किंग शुरू करने की घोषणा की। इसमें उपभोक्ताओं के हित में धातु की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए एक डिजिटल पहचान प्रणाली लागू की जाएगी। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के महानिदेशक प्रमोद कुमार तिवारी ने शुक्रवार को पीटीआई-भाषा से कहा, ''हमें इसका मूल्यांकन करने के लिए कुछ समय चाहिए। छह महीने पर्याप्त होंगे। हम छह महीने तक इस पर गौर करेंगे और उसके बाद विचार करेंगे कि इसे अनिवार्य किया जाए या नहीं।''

अधिकारी ने यह टिप्पणी इस सवाल के जवाब में की कि क्या सरकार चांदी के आभूषणों की हॉलमार्किंग को अनिवार्य बनाने पर विचार कर सकती है। बीआईएस भारत का राष्ट्रीय मानक निकाय है जिसकी स्थापना बीआईएस अधिनियम 2016 के तहत वस्तुओं के मानकीकरण, अंकन और गुणवत्ता प्रमाणन की गतिविधियों के सामंजस्यपूर्ण विकास और उससे जुड़े या उसके आनुषंगिक मामलों के लिए की गई है। तिवारी ने कहा कि सोने के आभूषणों की तरह इन्हें भी अनिवार्य बनाने पर विचार किया जा रहा है क्योंकि छोटे स्तर पर लोग चांदी पिघलाकर आभूषण बनाते हैं और उन्हें अनिवार्य प्रमाणन के दायरे में लाना एक बड़ी चुनौती है।

एक अन्य सवाल के जवाब में तिवारी ने कहा कि ई-परिवहन के क्षेत्र में, बीआईएस ने कई मानक प्रकाशित किए हैं। उन्होंने कहा, ''हमने बैटरी चार्जिंग के लिए ईवी चार्जिंग स्टेशनों के लिए मानक विकसित किए हैं। हम बैटरी अदला-बदली के लिए भी मानक बना रहे हैं। यह मसौदा चरण में है। अगर हमें ईवी को लोकप्रिय बनाना है, तो हमारे पास ईवी के लिए पेट्रोल पंप जैसा बुनियादी ढांचा होना चाहिए।''

नौ एनबीएफसी ने पंजीकरण प्रमाणपत्र वापस किया: रिजर्व बैंक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को कहा कि फोन-पे टेक्नोलॉजी सर्विसेज और आदित्य बिड़ला फाइनेंस सहित नौ गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) ने विभिन्न कारणों से अपना पंजीकरण प्रमाणपत्र वापस कर दिया है।

एक अन्य विज्ञप्ति में, केंद्रीय बैंक ने कहा कि उसने 31 एनबीएफसी के पंजीकरण प्रमाणपत्र (सीओआर) रद्द कर दिए हैं। फोन-पे टेक्नोलॉजी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड ने गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थान (एनबीएफआई) व्यवसाय से बाहर निकलने के बाद अपना पंजीकरण प्रमाणपत्र वापस कर दिया। आदित्य बिड़ला फाइनेंस ने मूल कंपनी के साथ विलय के बाद प्रमाणपत्र वापस किया है। रिजर्व बैंक ने यह भी कहा कि आरबीजी लीजिंग एंड क्रेडिट प्राइवेट लिमिटेड और यशिला इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी प्राइवेट लिमिटेड को जारी पंजीकरण प्रमाणपत्र को अपीलीय प्राधिकरण या न्यायालय द्वारा पारित आदेशों पर विचार करने के बाद बहाल कर दिया गया है। केंद्रीय बैंक ने दोनों एनबीएफसी को रिपोर्टिंग आवश्यकताओं सहित लागू प्रावधानों और दिशानिर्देशों या निर्देशों का पालन करने की सलाह दी।

रिजर्व बैंक ने फोन-पे पर 21 लाख रुपए का जुर्माना लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक ने 'प्रीपेड भुगतान उपकरणों' (पीपीआई) से संबंधित कुछ मानदंडों का पालन न करने के लिए फोन-पे लिमिटेड पर 21 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है।

रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि अक्टूबर 2023 से दिसंबर 2024 की अवधि के लिए कंपनी के संचालन के संदर्भ में कंपनी का वैधानिक निरीक्षण किया गया था। रिजर्व बैंक के निर्देशों का पालन न करने और उस संबंध में संबंधित पत्राचार के पर्यवेक्षी निष्कर्षों के आधार पर फोन-पे को एक नोटिस जारी किया गया था। नोटिस में उसे कारण बताने के लिए कहा गया था कि उक्त निर्देशों का पालन करने में विफलता के लिए उस पर जुर्माना क्यों न लगाया जाए। नोटिस पर कंपनी के जवाब, उसके द्वारा दिए गए अतिरिक्त प्रस्तुतीकरण और व्यक्तिगत सुनवाई के दौरान दी गयी मौखिक जानकारी पर विचार करने के बाद, रिजर्व बैंक ने पाया कि कंपनी के खिलाफ आरोप सही थे, जिसके लिए मौद्रिक जुर्माना लगाना उचित था। कंपनी ने कहा, ''कंपनी के एस्क्रो खाते में दिन के अंत में शेष राशि बकाया प्रीपेड भुगतान उत्पादों (पीपीआई) और कुछ दिनों में व्यापारियों को देय भुगतानों के मूल्य से कम थी, और कंपनी ने उक्त एस्क्रो खाते में कमी की सूचना तुरंत आरबीआई को नहीं दी।'' रिजर्व बैंक ने यह भी कहा कि यह जुर्माना नियामक अनुपालन में कमियों पर आधारित है और इसका उद्देश्य कंपनी द्वारा अपने ग्राहकों के साथ किए गए किसी भी लेनदेन या समझौते की वैधता पर कोई प्रभाव डालना नहीं है।

प्रधानमंत्री की मणिपुर यात्रा शांति को बढ़ावा देने के बजाय तमाशा साबित होगी: कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने शुक्रवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मणिपुर में ''तीन घंटे की यात्रा'' शांति प्रयायों को बढ़ावा देने के बजाय तमाशा साबित होने जा रही है।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''तो अब ये आधिकारिक हो गया है। प्रधानमंत्री कल मणिपुर में तीन घंटे से भी कम समय बिताएंगे। यह यात्रा शांति और सद्भाव को ताकत प्रदान करने के बजाय, वास्तव में एक तमाशा साबित होगी।''

प्रधानमंत्री मोदी के मणिपुर दौरे की पहली आधिकारिक पुष्टि करते हुए मुख्य सचिव पुनीत कुमार गोयल ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री 13 सितंबर को राज्य में 8,500 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करने आएंगे।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मिजोरम से चुराचांदपुर पहुंचेंगे और फिर इंफाल जाएंगे।

जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने से अर्थव्यवस्था को गति मिलने की उम्मीद : थरूर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिंगापुर/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने शुक्रवार को कहा कि जीएसटी दरों को युक्तिसंगत बनाने से आर्थिक और व्यावसायिक गतिविधियों को गति मिलने की उम्मीद है। हालांकि उन्होंने जीएसटी की एकल दर की ओर बढ़ने की जरूरत बतायी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी कई वर्षों से माल एवं सेवा कर की दरों को सरल एवं युक्तिसंगत बनाने की मांग कर रही है।

थरूर ने क्रेडाई-नैटकॉन सम्मेलन के दौरान अलग से बातचीत में कहा, ''मुझे लगता है कि जीएसटी में कटौती एक बहुत ही रचनात्मक फैसला था। ईमानदारी से कहूं तो हम पिछले कुछ वर्षों से इसकी मांग कर रहे थे। मेरी पार्टी शुरू से ही जीएसटी को सरल बनाने की वकालत करती रही है।'' उन्होंने कहा, ''चार दरें रखना न केवल भ्रामक था, बल्कि अनुचित भी था।'' अब दो दरों के साथ स्थिति सरल हो गई है। थरूर ने कहा, ''इसलिए मैं कहूंगा कि कुल मिलाकर हमें कुछ अच्छा मिला है। इससे अर्थव्यवस्था को प्रोत्साहन मिलेगा। हमें उम्मीद है कि इससे विनिर्माण को बढ़ावा मिलेगा।''

कांग्रेस नेता ने कहा, ''अंततः, मुझे लगता है कि हम सभी दो दरों के बजाय एक दर देखना चाहेंगे। और यह कुछ ऐसा है जो भविष्य में कुछ समय बाद होगा। निश्चित रूप से मुझे लगता है कि हमें सरलीकरण की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।'' उन्होंने बाजार में और अधिक सुधार की भी वकालत की। थरूर ने कहा, हमारे समाज और अर्थव्यवस्था में एक चीज, जिसकी बहुत ज्यादा जरूरत है, वह है नियमों की संख्या को कम करना। हम दुनिया के सबसे ज्यादा नियमों वाले देश हैं। हम सिंगापुर जैसे देशों से सीख सकते हैं, जहां चीजें बहुत ज्यादा सरल और कुशल हैं।''

पाकिस्तान जैसे दुश्मन देश के साथ एशिया कप में क्रिकेट खेलना निंदनीय : हिमाचल प्रदेश मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। एशिया कप में पाकिस्तान और भारत के बीच होने वाले क्रिकेट मुकाबले से कुछ दिन पहले हिमाचल प्रदेश के राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने शुक्रवार को दावा किया कि विवाद होने के बावजूद 'दुश्मन' के साथ क्रिकेट मैच खेला जाना केंद्र के दोहरे मापदंड को स्पष्ट करता है।

बहुप्रतीक्षित एशिया कप टी-20 क्रिकेट मैच में भारत और पाकिस्तान रविवार को दुबई में आमने-सामने होंगे।

नेगी ने यहां 'पीटीआई वीडियोज' सेवा से कहा, ''यह अजीब बात है कि ऐसे समय में जब भारतीय सेना के जवान देश के लिए बलिदान दे रहे हैं और सीमा के उस पार से गोलीबारी में भारतीय नागरिक मारे जा रहे हैं तब भी हम दुश्मन के साथ क्रिकेट खेल रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''केंद्र सरकार दोहरा रवैया अपनाए हुए है, जहां एक तरफ वह ऑपरेशन सिंदूर की बात करती है और दूसरी तरफ भारत पाकिस्तान के साथ क्रिकेट मैच खेल रहा है।'' पहलगाम में 22 अप्रैल को किए गए आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे और इस हमले के जवाब में भारत सेना ने सात मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान तथा पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी ठिकानों पर हमला किया। नेगी ने कहा, ''आज क्रिकेट में खेल कम और पैसा ज़्यादा है और पैसा कमाने के लिए लगभग हर रोज क्रिकेट मैच आयोजित किए जा रहे हैं फिर चाहे वह टी-20 हो या एकदिवसीय मुकाबले।''

स्पाइसजेट के क्यू400 विमान का पहिया उड़ान भरने के बाद नीचे गिरा

मुंबई/भाषा। कांडला हवाई अड्डे से उड़ान भरने के बाद शुक्रवार को स्पाइसजेट के एक विमान का पहिया टूटकर नीचे गिर गया और विमान को मुंबई हवाई अड्डे पर आपातकालीन स्थिति में उतारना पड़ा। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

एयरलाइन ने एक बयान में कहा, ''12 सितंबर को कांडला से मुंबई के लिए उड़ान भरने वाले स्पाइसजेट के क्यू400 विमान का एक बाहरी पहिया उड़ान भरने के बाद रनवे पर पाया गया। विमान ने मुंबई की अपनी यात्रा जारी रखी और सुरक्षित रूप से वहां उतर गया।'' एयरलाइन ने कहा कि सफलतापूर्वक उतरने के बाद विमान अपनी शक्ति से टर्मिनल तक पहुंचा और सभी यात्री सामान्य रूप से उतर गए।

सूत्रों ने बताया कि विमान को मुंबई हवाई अड्डे पर आपातकालीन स्थिति में उतारना पड़ा। एक क्यू400 विमान में छह टायर होते हैं। अभी इस बात की जानकारी नहीं मिल पायी है कि विमान में कितने लोग सवार थे।

नेपाल में फंसी डीटीसी बस सुरक्षित, घबराने की जरूरत नहीं: पंकज सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के परिवहन मंत्री पंकज सिंह ने शुक्रवार को कहा कि दिल्ली और काठमांडू के बीच संचालित दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की बस नेपाल में जारी अशांति के कारण वहां फंसी है, जो सुरक्षित स्थान पर है और अधिकारी इसकी वापसी के लिए समन्वय कर रहे हैं। नेपाल में छात्रों के नेतृत्व में 'जेन जेड' विरोध प्रदर्शन के बाद के.पी. शर्मा ओली सरकार ने इस्तीफा दे दिया।

वर्ष 1997 से लेकर 2012 तक के बीच पैदा हुए युवाओं को प्राय: 'जेन जेड' पीढ़ी के नाम से जाना जाता है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को बताया, बस नेपाल में फंस गई है। दिल्ली सरकार इस मामले में नेपाल और भारत के दूतावासों के साथ समन्वय कर रही है। एक अन्य अधिकारी ने पुष्टि की कि इन घटनाओं के मद्देनजर बुधवार को बस सेवा स्थगित कर दी गई। सिंह ने बताया कि डीटीसी ने इस मार्ग पर दो बसें तैनात की हैं। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, उन दोनों बसों में से एक नेपाल में फंसी हुई है। वह सुरक्षित स्थान पर है और जैसे ही स्थिति सामान्य होगी, वह वापस लौट आएगी। हमने इस मार्ग पर सेवाएं निलंबित कर दी हैं और स्थिति सामान्य होने पर उन्हें फिर शुरू कर दिया जाएगा। बस में कोई यात्री नहीं है। घबराने की कोई जरूरत नहीं है। यह सेवा 'दिल्ली-काठमांडू मैत्री बस सेवा' के नाम से जानी जाती है और भारत तथा नेपाल के बीच मजबूत संबंधों का प्रतीक है। बस 1,167 किलोमीटर की दूरी तय करती है और इसका किराया 2,800 रुपए है।

बीएमसी 'भ्रष्टाचार का अड्डा' बन गई है : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। कांग्रेस की मुंबई इकाई ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि महाराष्ट्र की महायुति सरकार और नगर निकाय अधिकारी निजी ठेकेदारों के साथ मिलकर ''लोगों का पैसा लूट'' रहे हैं और इस प्रक्रिया में महानगर वासियों का जीवन बदतर बना दिया गया है।

कांग्रेस के मुंबई इकाई की अध्यक्ष और लोकसभा सांसद वर्षा गायकवाड़ ने दावा किया कि सरकारी प्रशासक के अधीन चल रहा बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ''भ्रष्टाचार का चारागाह'' बन गया है। उन्होंने आरोप लगाया किया कि ठेकेदारों का चयन पहले ही कर लिया जाता है और बाद में उनके अनुरूप निविदाएं जारी की जाती है। उन्होंने यहां एक प्रेस वार्ता में कहा, ''यह जनता के पैसों की संगठित लूट के अलावा और कुछ नहीं है। नागरिकों की सेवा करने के बजाय महायुति सरकार अपने पसंदीदा ठेकेदारों की सेवा करने में व्यस्त है।''

कांग्रेस प्रवक्ता सचिन सावंत ने महानगर में गुंदवली टनल शाफ्ट से मोडकसागर वाई-जंक्शन डोम तक करोड़ों रुपए की पाइपलाइन परियोजना में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया, ''शुरुआत में 42 किलोमीटर मुख्य पाइपलाइन बदलने की लागत 2,000 करोड़ रुपए आंकी गई थी। एक साल के भीतर दायरा बढ़ाकर 50 किलोमीटर कर दिया गया और लागत 3,500 करोड़ रुपए तक पहुंच गई। निविदा शर्तें इस तरह बनाई गईं कि केवल दो पसंदीदा ठेकेदार की कंपनियां ही इस परियोजना के लिए बोली लगाने योग्य रहीं।''

सावंत ने कहा कि इस परियोजना में अनियमितताएं जनता का पैसा लूटने का साफ उदाहरण है। बीएमसी का 2025-26 का बजट 74,427.41 करोड़ रुपए का है और मार्च 2022 से इसके चुनाव लंबित हैं।

विदेशी मुद्रा भंडार चार अरब डॉलर बढ़कर 698.27 अरब डॉलर पर पहुंचा

मुंबई/भाषा। स्वर्ण भंडार का मूल्य बढ़ने से देश का विदेशी मुद्रा भंडार पांच सितंबर को समाप्त सप्ताह में 4.04 अरब डॉलर बढ़कर 698.27 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इसके एक सप्ताह पहले देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 3.51 अरब डॉलर बढ़कर 694.23 अरब डॉलर हो गया था।

आरबीआई की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक, पांच सितंबर को समाप्त सप्ताह में मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 54 करोड़ डॉलर बढ़कर 584.47 अरब डॉलर हो गईं। डॉलर के संदर्भ में व्यक्त विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं में मूल्यवृद्धि या मूल्यह्रास का प्रभाव शामिल होता है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, आलोच्य सप्ताह में देश का स्वर्ण भंडार 3.53 अरब डॉलर बढ़कर 90.30 अरब डॉलर हो गया।

इस दौरान विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 3.4 करोड़ डॉलर घटकर 18.74 अरब डॉलर रह गए। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष में भारत की आरक्षित भंडार 20 लाख डॉलर बढ़कर 4.75 अरब डॉलर हो गया।

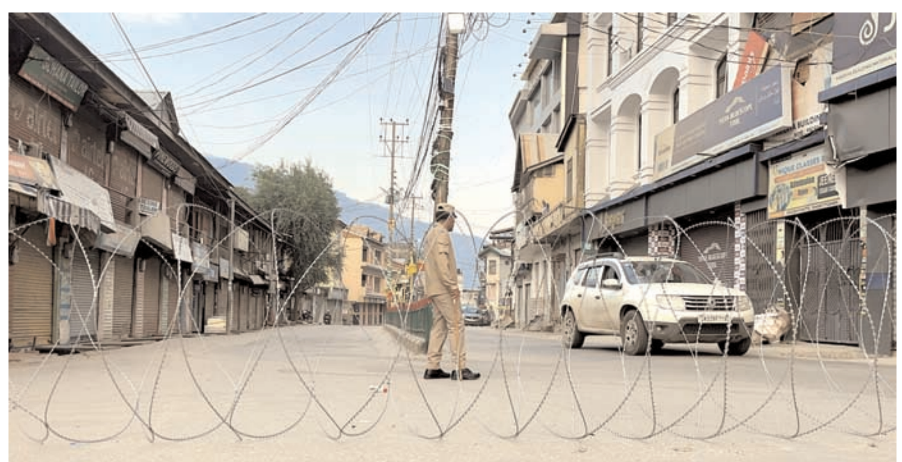

डोडा में कोई ताजा प्रदर्शन नहीं, सुरक्षा बढ़ायी गयी और निषेधाज्ञा बरकरार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

डोडा/भाषा। जम्मू कश्मीर के डोडा जिले में शुक्रवार को लगातार चौथे दिन निषेधाज्ञा लागू करने के बाद हालात काबू में हैं और इस पर्वतीय क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी गयी है। इस हफ़्ते की शुरुआत में आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक मेहराज मलिक की कड़े जन सुरक्षा अधिनियम (पीएसए) के तहत गिरफ़्तारी के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई हिंसक झड़पों के बाद डोडा में कई लोगों को हिरासत में लिया गया है। सार्वजनिक व्यवस्था भंग करने के आरोप में गिरफ़्तार किए गए डोडा विधायक को बाद में कठुआ जेल में ले जाया गया।

डोडा-किश्तवाड़-रामबन रेंज के उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) श्रीधर पाटिल की अध्यक्षता में पुलिस ने बुधवार शाम को डोडा में शांति समिति की बैठक आयोजित की, ताकि क्षेत्र में शांति हो और सामान्य स्थिति बहाल हो सके। बुधवार शाम को पुलिस ने क्षेत्र में शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए पुलिस उप महानिरीक्षक श्रीधर पाटिल की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक की थी। डोडा और भलेसा कस्बों में निषेधाज्ञा लागू रही, जहां एहतियात के तौर पर मोबाइल इंटरनेट और वाई-फाई सेवाएं निलंबित रहीं।

एक अधिकारी ने कहा, ''रात भर स्थिति शांत रही और कोई ताजा विरोध प्रदर्शन नहीं हुआ। हालांकि, संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है और व्यापक सुरक्षा उपाय किए गए हैं।'' उन्होंने बताया कि जुमे की नमाज़ के मद्देनजर डोडा शहर में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और गश्त बढ़ा दी गई है। कथित प्रशासनिक मनमानी को लेकर भारी तनाव के बीच डोडा शहर, भद्रवाह, गंडोह और थाथरी के आसपास तैनाती बढ़ा दी गई। अप्रिय घटनाओं को रोकने के लिए सरकारी कार्यालयों के पास कांटेदार तार लगाए गए। पुलिस की गाड़ियां इलाके में गश्त कर रही हैं और लोगों से घरों के अंदर रहने की अपील कर रही हैं। भद्रवाह कस्बे में शुक्रवार को दुकानें और व्यापारिक प्रतिष्ठान खुले रहे तथा सामान्य स्थिति बनी रही। उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) श्रीधर पाटिल ने लोगों को आश्वस्त किया कि स्थिति लगभग नियंत्रण में है।

उन्होंने बृहस्पतिवार रात को पत्रकारों से कहा, ''हम चिनाब घाटी के लोगों को बताना चाहते हैं कि स्थिति कुल मिलाकर नियंत्रण में है। पूरी तरह से सामान्य स्थिति बहाल करने के प्रयास जारी हैं। हम उस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि डोडा शहर और आसपास के क्षेत्रों के लगभग 40 नागरिकों ने बैठक में चर्चा में भाग लिया, जिसके दौरान उन्होंने बहुमूल्य सुझाव साझा दिए।

सोमवार और बुधवार को ज़िले में विरोध प्रदर्शन और हिंसक झड़पें हुईं, जब प्रदर्शनकारियों ने प्रतिबंधों का उल्लंघन करने की कोशिश की।

'राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति चुनावों में मतदान अनिवार्य किया जाए'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। शिवसेना (उबाठा) ने राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनावों में मतदान को अनिवार्य करने की मांग करते हुए कहा कि निर्वाचकों की ''खरीद-फरोख्त'' में शामिल और इन शीर्ष संवैधानिक पदों के लिए मतदान से दूर रहने वाले राजनीतिक दलों का पंजीकरण रद्द कर देना चाहिए।

पार्टी ने अपने मुखपत्र 'सामना' के संपादकीय में कहा कि के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) के नेतृत्व वाली भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस), बीजू जनता दल (बीजद) और अन्य दल ''हमेशा की तरह'' केंद्रीय जांच एजेंसियों से ''डर गए'' और 9 सितंबर के उपराष्ट्रपति चुनाव से दूर रहने का फैसला किया। संपादकीय में तर्क दिया गया, ''यह (मतदान से दूर रहना) असंवैधानिक है।'' बीजद और बीआरएस ने उपराष्ट्रपति चुनाव में मतदान से दूरी बना ली थी, जहां सत्तारूढ़ भाजपा नीत राजग के उम्मीदवार सी पी राधाकृष्णन ने विपक्ष के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी को 152 मतों के अंतर से हराकर जीत हासिल की। भाजपा के पूर्व सहयोगी शिरोमणि अकाली दल (शिअद) ने चुनाव का बहिष्कार करते हुए दावा किया था कि पंजाब के बाढ़ प्रभावित लोगों को राज्य सरकार, केंद्र या कांग्रेस से कोई मदद नहीं मिली है। 'सामना' के संपादकीय में कहा गया, ''ऐसा प्रावधान होना चाहिए कि कोई भी व्यक्ति (राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनाव में) मतदान में अनुपस्थित न रह सके। एक ओर, जहां मतदान (लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनावों में) को अनिवार्य बनाने की मांग की जा रही है, वहीं दूसरी ओर पार्टियां खरीद-फरोख्त में शामिल हो जाती हैं और चुनावों का बहिष्कार करती हैं। ऐसी पार्टियों का पंजीकरण रद्द किया जाना चाहिए।'' राष्ट्रपति का चुनाव एक निर्वाचक मंडल द्वारा किया जाता है, जिसमें संसद के निर्वाचित सदस्य और राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं के निर्वाचित सदस्य शामिल होते हैं। उपराष्ट्रपति चुनाव के निर्वाचक मंडल में संसद के दोनों सदनों के सदस्य शामिल होते हैं। शिवसेना (उबाठा) ने शपथ लेने वाले नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन से राष्ट्रपति व उपराष्ट्रपति जैसे शीर्ष संवैधानिक पदों के चुनावों में सत्तारूढ़ दलों द्वारा ''खरीद-फरोख्त'' रोकने के लिए एक कानून बनाने की भी मांग की। उपराष्ट्रपति चुनाव के नतीजों की घोषणा करते हुए, राज्यसभा के महासचिव और निर्वाचन अधिकारी पी. सी. मोदी ने कहा कि कुल 781 मतदाताओं में से 767 सांसदों ने अपने वोट डाले।

पूरा ध्यान रखेंगे कि किसी भी किसान के साथ पानी के वितरण में अन्याय न हो : डीके शिवकुमार

उपमुख्यमंत्री ने हेमावती लिंक केनाल के कार्यों का निरीक्षण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तुमकूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शुक्रवार को तुमकूरु ज़िले के सुनकापुरा में टी.बी. केनाल के 70वें किलोमीटर पर हेमावती लिंक केनाल के कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि यह निरीक्षण पूर्व मंत्री टी.बी. जयचंद्र, विधायक गुब्बी श्रीनिवास, डॉ. रंगनाथ और अधिकारियों के साथ मिलकर किया गया।

डीके शिवकुमार ने कहा कि मैं सिर्फ एक क्षेत्र तक सीमित नहीं हूं, बल्कि कर्नाटक के सिंचाई मंत्री के रूप में तुमकूरु के सभी क्षेत्रों के विकास को प्राथमिकता दे रहा हूं। तुमकूरु जिला मेरे लिए अत्यंत निकट और प्रिय है। डीके शिवकुमार ने कहा कि जब मैं पूर्व मुख्यमंत्री कुमारस्वामी की सरकार में सिंचाई मंत्री था, तब इस परियोजना को मंजूरी दी गई थी। बाद में जब येडीयुरप्पा की सरकार आई तो इस परियोजना को स्थगित कर दिया गया। उस समय यह कार्य सिर्फ 600 करोड़ रुपए में पूरा हो सकता था, लेकिन अब इसकी लागत बढ़कर 1,000 करोड़ रुपए हो गई है। डीके शिवकुमार ने कहा कि हम पहले ही इस परियोजना के पाइपों की खरीद के लिए 400 करोड़ रुपए जारी कर चुके हैं। यह कार्य चार से पांच महीनों में पूरा किया जा सकता है। समुद्र में बहकर जाने वाले पानी का उपयोग किसानों के फायदे के लिए किया जाना चाहिए। इसके लिए नहरों के जरिए पानी पहुंचाने का काम होना चाहिए।

डीके शिवकुमार ने कहा कि हमारी यह परियोजना एक विकास कार्य है, इसमें राजनीति नहीं होनी चाहिए। तुमकूरु ज़िले के विकास के लिए हम सभी को मिलकर काम करना चाहिए। किसी भी किसान के साथ पानी के वितरण में कोई अन्याय न हो, इसका हम पूरा ध्यान रखेंगे। डीके शिवकुमार ने कहा कि संघर्ष करने वालों से मेरी एक विनती है– जैसे हम दूसरे राज्यों के साथ पानी के लिए संघर्ष करते हैं, वैसे ही आपस में संघर्ष करना ठीक नहीं है। हम सभी एक ही राज्य के लोग हैं, हमने खून और रिश्ते साझा किए हैं। इसलिए हमें सभी को एकजुट होकर काम करना चाहिए।

डीके शिवकुमार ने कहा कि इस परियोजना में हर तालुका को जितना पानी आवंटित किया गया है, उतना ही उपयोग करने की अनुमति है। किसी भी अवैध गेट को लगाने की अनुमति नहीं है। 'सबको समान हिस्सा, सबको समान जीवन' के सिद्धांत पर ही हमने इस परियोजना को लागू किया है।

'मेट्रो' ने प्रत्यारोपण के लिए मानव हृदय के त्वरित परिवहन की सुविधा प्रदान की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीएमआरसीएल) ने शुक्रवार को कहा कि उसने मानव हृदय के प्रत्यारोपण के लिए तेज और सुरक्षित परिवहन की सुविधा प्रदान की है। बीएमआरसीएल ने एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। बीएमआरसीएल की ओर से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक 11 सितंबर को स्पर्श अस्पताल से लाया गया मानव हृदय 23:01 बजे यशवंतपुर मेट्रो स्टेशन पर पहुंचाया गया। वहां से यह 23:21 बजे मंत्री स्क्वायर संपीगे रोड मेट्रो स्टेशन पर पहुंचा। इसके मुताबिक समय पर परिवहन सुनिश्चत करने के लिए मेट्रो ने 20 मिनट में सात स्टेशनों को कवर किया और यह सुनिश्चित किया कि मानव अंग बिना किसी देरी के अपोलो अस्पताल पहुंच जाए।

विज्ञप्ति के अनुसार सहायक सुरक्षा अधिकारी होन्ने गौड़ा ने समन्वय की निगरानी की और साथ ही मेट्रो के अधिकारियों ने चिकित्सा टीम के साथ मिलकर पूरी यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को सुचारू बनाने में काम किया। इससे पूर्व एक अगस्त को मेट्रो ने अपनी शुरुआत के बाद पहली बार प्रत्यारोपण के लिए दान किए गए मानव यकृत के परिवहन की सुविधा प्रदान की थी।

कर्नाटक में नई जातिगत गणना पर 420 करोड़ रुपये खर्च होंगे : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने शुक्रवार को कहा कि राज्य का सामाजिक और शैक्षणिक सर्वेक्षण जिसे आमतौर पर 'जातिगत गणना' के नाम से जाना जाता है 22 सितंबर से सात अक्टूबर के बीच कराया जाएगा और इस पर अनुमानित 420 करोड़ रुपये की लागत आएगी। सिद्दरामय्या ने कहा कि ''सर्वेक्षण वैज्ञानिक'' तरीके से किया जाएगा और इसके लिए 60 प्रश्नों वाली प्रश्नावली तैयार की गई है।सिद्दरामय्या ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग, अध्यक्ष मधुसूदन आर. नाइक की अध्यक्षता में सात करोड़ लोगों की सामाजिक और शैक्षिक स्थिति जानने के लिए एक नया सर्वेक्षण कर रहा है। आयोग को सर्वेक्षण पूरा करके जल्द से जल्द रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है। आयोग ने कहा है कि वह दिसंबर से पहले रिपोर्ट सौंप देगा।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि दशहरे की छुट्टियों के दौरान सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को सर्वेक्षण के लिए तैनात किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''लगभग 1,75,000 शिक्षकों का सहयोग लिया जाएगा जिनमें से प्रत्येक को 20,000 रुपये तक का पारिश्रमिक दिया जाएगा। यह मुख्य लागत घटक है, जो लगभग 325 करोड़ रुपये है। कुल मिलाकर सर्वेक्षण के लिए 420 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं और ज़रूरत पड़ने पर अतिरिक्त धनराशि भी उपलब्ध कराई जाएगी।'' सरकार ने 2015 में सामाजिक एवं शैक्षिक सर्वेक्षण पर 165.51 करोड़ रुपये खर्च किये थे, जिसे बाद में रद्द कर दिया गया था।

कर्नाटक हमेशा ही लोकतांत्रिक नवाचार में अग्रणी रहा है : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के भारत क्षेत्र सम्मेलन के उद्घाटन को कर्नाटक के लिए गौरव का क्षण बताया है। उन्होंने अपने 'एक्स' अकाउंट पर कहा कि कल (गुरुवार को) मुझे बेंगलूरु में 11वें राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) भारत क्षेत्र सम्मेलन का उद्घाटन करने का सम्मान प्राप्त हुआ। यह कर्नाटक के लिए गौरव का क्षण था, क्योंकि यहां देशभर से आए सांसदों और विचारकों की मेजबानी की गई।

सिद्दरामय्या ने कहा कि अपने संबोधन में, मैंने इस बात पर ज़ोर दिया कि भारत में लोकतंत्र कोई आयातित आदर्श नहीं, बल्कि एक सभ्यतागत लोकाचार है, जो सदियों के विचार-विमर्श, संवाद और विकेंद्रीकरण में निहित है। बौद्ध सभाओं और ग्राम गणराज्यों से लेकर बसवन्ना के अनुभव मंटप तक, कर्नाटक ने लंबे समय से निर्भीक प्रश्न और समावेशी बहस की भावना को कायम रखा है।

सिद्दरामय्या ने कहा कि आज, हमारी विधायिकाओं को इस

विरासत को आगे बढ़ाना होगा – न सिर्फ सत्ता के संस्थानों के रूप में, बल्कि अनुनय, जवाबदेही और नैतिक नेतृत्व के क्षेत्र के रूप में भी। सीपीए विभिन्न महाद्वीपों में इन साझा लोकतांत्रिक मूल्यों के एक जीवंत नेटवर्क के रूप में कार्य करता है।

सिद्दरामय्या ने कहा कि विश्व अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों 'असमानता, दुष्प्रचार, अधिनायकवाद और जलवायु संकट' से जूझ रहा है, इसलिए सीपीए जैसे मंच समाधानों के आदान-प्रदान और शासन की नैतिक नींव की पुष्टि के लिए महत्त्वपूर्ण हो जाते हैं। सिद्दरामय्या ने कहा कि आज लोकतंत्र के लिए सबसे बड़े ख़तरे बाहरी दुश्मनों से नहीं, बल्कि भीतर से पैदा होते हैं: कट्टरता जो असहमति को दबा देती है, पहचान की राजनीति जो समाज को खंडित करती है, विवाद की जगह व्यवधान पैदा करती है, और गलत सूचना जो सच्चाई को ढक देती है।

सिद्दरामय्या ने कहा कि इस संदर्भ में, जनता का विश्वास बनाने के लिए पांच तत्काल सुधारों की जरूरत है: बहस को शासन के एक वास्तविक साधन के रूप में पुनः स्थापित करें, चुनावों से परे जवाबदेही को शामिल करें, युवाओं, महिलाओं और हाशिए पर पड़ी आवाज़ों की समावेशिता को बढ़ावा दें, सहभागी लोकतंत्र में वैश्विक नवाचारों से सीखें, लोकतंत्र को केवल प्रक्रियाओं में नहीं, बल्कि नैतिकता में स्थापित करें।

सिद्दरामय्या ने कहा कि कर्नाटक हमेशा से ही लोकतांत्रिक नवाचार में अग्रणी रहा है – पंचायतों को सशक्त बनाने और सामाजिक न्याय सुधारों को लागू करने से लेकर डिजिटल शासन में अग्रणी भूमिका निभाने तक। हमारी विधानसभा ने भाषाई पहचान, समानता और संघवाद पर ऐतिहासिक बहसों का आयोजन किया है।

'राजभाषा का कार्य राष्ट्रगौरव का कार्य, देश की प्रगति का आधार है हिंदी'

विशेष राजभाषा कार्यशाला आयोजित की गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आरआईओ (दक्षिण) के तत्वावधान में एलएचओ, एसबीआई ने 10 सितंबर को एक दिवसीय विशेष राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया। इसका शुभारंभ मुख्य अतिथि एलएचओ, एसबीआई के उपमहाप्रबंधक राजेश कुमार चौधरी, उप निदेशक (कार्यान्वयन) अनिर्बान कुमार विश्वास, कॉफी बोर्ड के उप निदेशक (राजभाषा) डॉ. धीरज कुमार मिश्र, सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) केडी राव, प्रबंधक (राजभाषा) अर्चना उपाध्याय सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने किया।

विश्वास ने कार्यशाला की रूपरेखा बताते हुए राजभाषा के कार्य को राष्ट्रगौरव का कार्य माना। राजेश कुमार चौधरी ने हिंदी को देश की प्रगति का आधार और राष्ट्र की एकता का प्रतीक माना। इस कार्यशाला में चार सत्र थे। पहले सत्र में उपमहाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं राजभाषा), बीडीएल, हैदराबाद की होमनिधि शर्मा ने राजभाषा प्रभारियों के नए दायित्वों, जैसे सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से परिचय कराया और सार्थक और प्रभावी प्रशिक्षण पर बल दिया।

दूसरे सत्र में विश्वास ने राजभाषा नीति को पूर्णतः कार्यान्वित करने के लिए नवाचार के लिए प्रेरित किया। तीसरे सत्र में एचएएल के मुख्य प्रबंधक (राजभाषा) संजय कुमार पांडेय ने राजभाषा संबंधी सभी निरीक्षण प्रश्नावलियों को भरते समय सावधानियों के बारे में बताया।

चौथे सत्र में डॉ. मिश्र ने कहा कि राजभाषा कर्मियों को अपनी जवाबदेही तय करनी होगी एवं निरंतर क्रियाशील रहकर रचनात्मक पहल से राजभाषा कार्यान्वयन को प्रभावी बनाना होगा। इस कार्यशाला में बेंगलूरु में स्थित भारत सरकार के उपक्रम, बैंक, बीमा और सरकारी कार्यालयों के कुल 75 राजभाषा प्रभारियों ने भाग लिया। कार्यशाला का संचालन अर्चना उपाध्याय ने किया। धन्यवाद ज्ञापन केडी राव ने किया।

प्रमोद मुथालिक ने भारत-पाक क्रिकेट मैच का विरोध किया

बेलगावी। श्रीराम सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमोद मुथालिक ने भारत और पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मैच के फैसले का शुक्रवार को विरोध किया और केंद्र सरकार तथा बीसीसीआई पर 140 करोड़ भारतीयों के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया। मुथालिक ने यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर के बाद केंद्र सरकार ने पाकिस्तान का पूरी तरह से बहिष्कार कर दिया था। तो अब क्रिकेट क्यों? क्या आपने पहलगाम में हमला करने वाले पाकिस्तानी आतंकवादियों को पाँच महीने में माफ़ कर दिया है?'

शुक्रवार को तुमकुर के गुब्बी स्थित एचएएल हेलीकॉप्टर निर्माण संयंत्र का दौरा उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने किया। इस अवसर पर दिल्ली में कर्नाटक सरकार के विशेष प्रतिनिधि टी बी जयचंद्र, विधायक गुब्बी श्रीनिवास और अन्य उपस्थित थे।

एचएएल अगले महीने दो 'तेजस मार्क-1ए' लडाकू विमानों की आपूर्ति करेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। सरकारी एयरोस्पेस कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) अगले महीने भारतीय वायुसेना को दो 'तेजस मार्क-1ए' लड़ाकू विमान सौंपेगी। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। एचएएल ने कहा कि उसे अमेरिकी रक्षा कंपनी 'जीई एयरोस्पेस' से एक जेट इंजन मिला है और इस महीने के अंत तक एक और इंजन मिल जाएगा जो दोनों लडाकू विमानों के लिए उपयोगी होंगे। फरवरी 2021 में, रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायुसेना के लिए 83 तेजस एमके-1ए विमानों की खरीद के वास्ते एचएएल के साथ 48,000 करोड़ रुपये का सौदा किया था। लड़ाकू विमानों की आपूर्ति में देरी मुख्य रूप से इसलिए हो रही है क्योंकि जीई एयरोस्पेस ने जेट विमानों के संचालन के जिए जरूरी अपने एयरो इंजन की आपूर्ति नहीं की है।

अधिकारियों ने बताया कि एचएएल अगले महीने भारतीय वायुसेना को दो तेजस एमके-1ए जेट विमान उपलब्ध कराएगा, क्योंकि एक जीई 404 इंजन आ चुका है और दूसरे की, इस महीने के अंत तक आपूर्ति की जाएगी। एचएएल के एक प्रवक्ता ने कहा, ''एचएएल को एलसीए एमके1ए के लिए तीसरा जीई404 इंजन मिल गया है। एक और इंजन सितंबर के अंत तक मिलने वाला है। इंजन आपूर्ति श्रृंखला में सुधार से एलसीए एमके1ए विमानों की आपूर्ति का मार्ग प्रशस्त होगा।'' पिछले महीने सरकार ने लगभग 67,000 करोड़ रुपये की लागत से 97 तेजस लड़ाकू विमानों के एक अतिरिक्त बैच को मंजूरी दी थी। एकल इंजन वाला एमके-1ए भारतीय वायुसेना के मिग-21 लड़ाकू विमानों का स्थान लेगा।

भारतीय वायुसेना इन युद्धक विमानों को शामिल करने पर विचार कर रही है, क्योंकि इसके लड़ाकू स्क्वाड्रनों की संख्या आधिकारिक तौर पर स्वीकृत 42 से घटकर 31 रह गई है।

तेजस एकल इंजन, बहु-भूमिका वाला लड़ाकू विमान है जो उच्च-खतरे वाले हवाई हालात में परिचालन करने में सक्षम है। इसे हवाई रक्षा, समुद्री टोही और हमलावर भूमिकाओं के लिए डिज़ाइन किया गया है।

देश में पहली बार सिरदर्द के लिए नई शल्य प्रक्रिया शुरू की गई

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। माइग्रेन एक गंभीर सिरदर्द है जो पीड़ितों को बेहद तकलीफ़ देता है। इस समस्या के लिए एक क्रांतिकारी इलाज लागू किया जा रहा है, जिसमें वेंकट सेंटर फॉर एशियन हेल्थ देश में पहली बार सर्जिकल उपचार शुरू कर रहा है। वेंकट सेंटर के निदेशक एवं कंसल्टेंट प्लास्टिक सर्जन डॉ. अनिकेत वेंकटरमण ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी देते हुए बताया कि 12 सितम्बर को अंतर्राष्ट्रीय माइग्रेन एक्शन दिवस के अवसर पर सिरदर्द की समस्या से प्रभावी राहत दिलाने के लिए एक अभियान शुरू किया गया है। यह केंद्र डॉ. पुनीत राजकुमार रोड, बनशंकरी में एनसीईआरटी के बगल में कार्यरत है और सिरदर्द के लिए एक प्रभावी उपचार प्रणाली लागू की जा रही है।

हालाँकि देश में लाखों लोग माइग्रेन से पीड़ित हैं, लेकिन उन्नत उपचार के बारे में जागरूकता अभी भी कम है। देश में पहली बार, हम माइग्रेन की सर्जरी शुरू कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सर्जरी उन मरीज़ों के लिए उम्मीद की एक नई किरण साबित होगी जिन्हें दवाओं या इंजेक्शन से आराम नहीं मिलता। माइग्रेन सर्जरी एक डे-केयर प्रक्रिया है जिसमें त्वचा के स्तर पर छोटे चीरे लगाए जाते हैं। यह ब्रेन सर्जरी नहीं है, बल्कि चेहरे पर विशिष्ट ट्रिगर पॉइंट्स पर दबाव कम करने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली एक सटीक और सुरक्षित तकनीक है।

विधायक बसनगौड़ा पर भड़काऊ भाषण देने के आरोप में मामला दर्ज

मंड्या। मद्दूर पुलिस ने विजयपुरा के विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल के खिलाफ भड़काऊ भाषण देने के आरोप में स्वतः संज्ञान लेकर मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यतनाल बृहस्पतिवार शाम करीब पांच बजकर 45 मिनट पर मद्दूर पहुंचे थे और उन्होंने पेठे स्ट्रीट स्थित राम मंदिर के पास एक जनसभा को संबोधित किया था। भाजपा से निष्कासित पाटिल ने अपने भाषण में कथित तौर पर कहा कि गणपति की मूर्तियों को देश में कहीं भी मस्जिद के सामने से गुजरने का अधिकार है और जिन लोगों को इस पर आपत्ति हैं उन्हें पाकिस्तान चले जाना चाहिए। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि यदि वे सत्ता में आए तो अवैध मस्जिदों को बुलडोजर से ढहा देंगे।

प्रधानमंत्री मोदी की माँ का एआई वीडियो, कांग्रेस की एक घिनौनी राजनीति : मंत्री प्रह्लाद जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। केंद्रीय खाद्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने गहरा रोष व्यक्त करते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिवंगत माँ के बारे में एआई आधारित वीडियो जारी करके कांग्रेस बेहद घिनौनी राजनीति कर रही है। यह बेहद घिनौना है कि प्रधानमंत्री अपनी माँ के बारे में एआई आधारित वीडियो के ज़रिए अपनी प्रतिभा दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। जोशी ने एक बार फिर बेहद निम्न स्तर की राजनीति करने के लिए कांग्रेस पार्टी की कड़ी निंदा की है।

कांग्रेस का यह कदम ईमानदार राजनीति नहीं, बल्कि गंदी राजनीति से भरा है। वह ऐसा व्यवहार कर रही है मानो बिना किसी सभ्य नज़रिए के राजनीति के मूल्य और गरिमा को हवा में उड़ा रही हो। जोशी ने आलोचना करते हुए कहा है कि यह कांग्रेस के घिनौने कदम का आईना है। राहुल गांधी के असफल नेतृत्व में कांग्रेस नफ़रत और ओछी राजनीति में लिप्त है। मंत्री जोशी ने कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि सत्ता के लालच में इस स्तर का निम्न स्तर का व्यवहार कांग्रेस नेताओं के लिए सम्मान की बात नहीं है।

प्रधानमंत्री मोदी की दिवंगत माँ का नाम राजनीति में घसीटना उनका अपमान है। इतना ही नहीं, यह एक बार-बार होने वाला अपराध भी है, मंत्री प्रह्लाद जोशी ने आरोप लगाया है। यह सरकार सिर्फ़ मुसलमानों तक सीमित है। मंत्री

प्रह्लाद जोशी ने भी दुख जताया है कि ऐसा लगता है कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार सिर्फ़ एक समुदाय तक सीमित रहकर सत्ता का इस्तेमाल कर रही है। राज्य के 22 विधानसभा क्षेत्रों में मुस्लिम बस्तियों के विकास के लिए □398 करोड़ की लागत वाले एक कार्य को राज्य मंत्रिमंडल द्वारा मंज़ूरी दिए जाने पर टिप्पणी करते हुए, मंत्री ने कांग्रेस पर संविधान की इच्छा के विरुद्ध सत्ता का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। जो कांग्रेसी रोज़ संविधान की एक प्रति लेकर उस पर भाषण देने आते हैं, उन्होंने सिर्फ़ एक समुदाय को खुश करने और उसे खुश करने के अलावा कुछ नहीं किया है।

उन्होंने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि वह सिर्फ़ एक समुदाय विशेष को ही देखती है। जोशी ने आरोप लगाया कि संविधान की इच्छा के विरुद्ध कार्य करके कांग्रेस सरकार का तुष्टिकरण अपनी चरम सीमा पर पहुँच गया है। मंत्री प्रह्लाद जोशी ने आपत्ति जताई कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार का यह कदम राज्य में सद्भाव को नुकसान पहुँचा रहा है।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना सं: Y-E-29-2025-26-43
दिनांक: 03.09.2025
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित लागत
मासरहल्ली पर प्लॉटफार्म विस्तरण के लिए ओएचई पर परिवर्तन कार्य।	रु. 78,06,456.57

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 25.09.2025, 11:00 बजे तक
विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में
वरिष्ठ विभागीय इलेक्ट्रिकल इंजीनियर ट्रैक्शन/मैसूरु
PUB/437/AAF/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें
South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सं. बी/टीआरडी. 2025-26/12
दिनांक: 06.09.2025 का प्रकाशन
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं।

कार्य की मद	अनुमानित मूल्य
(I) बीआईडी-ओएचई, प्रस्तावित आरडी-06 (686 मी सपर लाईन) के प्रावधान के लिए सुधार कार्य, साथ में आरडी-5 से सटे मौजूदा गुडस अनलोडिंग प्लेटफार्म की विधिवत डिस्मैंटलिंग करते हुए एसवीसी छोर की तरफ 650मी. की शंटिंग नेक (ii) वाई टीएसएस डाउन लाईन पीटीएफई की शिफ्टिंग के लिए ओएचई सुधार कार्य कार्य पूरा करने की अवधि: 10 माह	रु.1,31,47,138.73/-

निविदाएँ जमा करने की अंतिम तिथि 29.09.2025 को 15.00 बजे तक
विस्तृत विवरणों के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in
वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/टीआर, बैंगलुरू
PUB/447/AAD360/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए Google Play Store से UTS मोबाइल ऐप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR | SWRRLY | @SWRAILWAYHQ | @sw_railways

दक्षिण पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सं. बी/टीआरडी. 2025-26/17
दिनांक: 06.09.2025 का प्रकाशन
भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं।

कार्य की मद	अनुमानित मूल्य
(i) निडवंद स्टेशन पर रोड-1 साइड पर 01 अतिरिक्त लूप लाईन के प्राक्धान के संबंध में डीवीजन-ओएचई सुधार (ii) निडवंद-हिरेहल्लि स्टेशनों के बीच कि.मी. 49/200-300 (डबल ट्रैक) पर लेवल कॉसिंग नं. 28 के स्थान पर प्रस्तावित रोड अंडर ब्रिज के संबंध में ओएचई सुधार, साथ में दों तरफ 85मी. की यू-टाईप रिटेनिंग वॉल और 135 मी. का पहुंच मार्ग पूरा करने की अवधि: 11 माह	रु.1,38,91,597.02/-

निविदाएँ जमा करने की अंतिम तिथि 29.09.2025 को 15.00 बजे तक
विस्तृत विवरणों के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in
वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/टीआरडी बैंगलुरू
PUB/449/AAD360/PRB/SWR/2025-26
अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए Google Play Store से UTS मोबाइल ऐप डाउनलोड करें।
South Western Railway - SWR | SWRRLY | @SWRAILWAYHQ | @sw_railways

प्रवासी राजस्थानी दिवस-2025

मुख्य सचिव ने विभिन्न देशों व राज्यों के लिए नियुक्त प्रभारी अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर दिए दिशा-निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने आगामी 10 दिसम्बर को आयोजित होने वाले पहले प्रवासी राजस्थानी दिवस की सभी तैयारियां समय रहते हुए पूरी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने इस बाबत विभिन्न देशों और राज्यों के लिए नियुक्त प्रभारी अधिकारियों की शुक्रवार को शासन सचिवालय में बैठक ली और निर्देश दिए कि राष्ट्रीय प्रवासी राजस्थानी मीट और अन्तर्राष्ट्रीय प्रवासी राजस्थानी मीट में प्रवासी राजस्थानियों की अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता सुनिश्चित की जाए। मुख्य सचिव ने सभी प्रभारी अधिकारियों को निर्देशित किया कि 10 दिसंबर को आयोजित होने वाले प्रवासी राजस्थानी दिवस के दौरान शिक्षा, पर्यटन, उद्योग, स्वास्थ्य एवं जल जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर सेशन आयोजित किया जाएंगे।

उन्होंने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों के साथ अन्य राज्यों के प्रवासी भारतीयों को भी 10 दिसंबर को आयोजित प्रवासी राजस्थानी दिवस में आमंत्रित किया जाए। मुख्य सचिव ने कहा कि इस संबंध में विभिन्न देशों से आए प्रस्ताव को अपने स्तर पर चेक करें, अगर किसी देश के प्रतिनिधि मंडल मुख्यमंत्री से मिलना चाहते हैं तो उनके साथ देशीय प्रभारी भी साथ रहे ताकि प्रभारी अधिकारी बाद में फ़ॉलोअप ले सके। पंत ने यह भी निर्देश दिए कि प्रभारी अधिकारी अन्य देशों और राज्यों से संपर्क बनाकर उनके साथ भावनात्मक रूप से जुड़ें। उन्होंने बताया कि इन सकारात्मक प्रयासों से प्रदेश में निवेश बढ़ेगा और राज्य को आर्थिक लाभ मिल सकेंगे। बैठक में अजिताभ शर्मा, प्रमुख सचिव ऊर्जा विभाग, दिनेश कुमार, प्रमुख सचिव राजस्व विभाग, राजेश यादव, प्रमुख सचिव पर्यटन विभाग, श्रीमती गायत्री राठौर, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य विभाग और डॉ. देबाशीष पृष्टि, प्रमुख सचिव नगरीय विकास सहित संबंधित विभागों के उच्च अधिकारीगण उपस्थित रहे।

भजनलाल सरकार के शानदार काम से विपक्ष निरूत्तर : गोदारा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने कहा है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश की डबल इंजन की सरकार द्वारा विकसित राजस्थान के लिए बेहतरीन कार्य किए जा रहे हैं लेकिन विधानसभा में विपक्ष के पास बोलने को कुछ नहीं था इसलिए सत्र नहीं चलने दिया। गोदारा ने शुक्रवार को अपने बयान में यह बात कही। उन्होंने कहा कि पिछले 21 महीनों में शर्मा के नेतृत्व में सरकार के कार्यों से विकसित राजस्थान के विजन को मजबूती मिली है। सरकार के शानदार काम को देखकर विपक्ष निरूत्तर हो चुका है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा खुद ही सदन में नहीं आते हैं।

उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली विधानसभा में निजता हनन का आरोप लगा रहे है जबकि निजता का हनन तो कांग्रेस सरकार में होता था जब जूली कांग्रेस सरकार में मंत्री थे, उस वक्त सरकार पर आरोप लगे कि खुद तत्कालीन मुख्यमंत्री द्वारा फोन की रिकॉर्डिंग कराई गई। उन्होंने कहा कि सर्वविदित है कि तब के अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह विभाग ने मना किया तो उनको हटाकर दूसरे व्यक्ति को एसीएस होम की जिम्मेदारी दी गई। पिछली सरकार के समय विधानसभा में यूट्यूब प्रसारण शुरू हुआ तो हमने भी तारीफ की।

इस बार विधानसभा में कैमरे लगे हैं तो सबके लिए लगे हैं। उन्होंने कहा कि भजनलाल की सरकार में सब पारदर्शिता से होता है। जनता समझ चुकी है कि विपक्ष ने सदन नहीं चलने दिया और अपनी राजनीति चमकाने के लिए बेवजह का मुद्दा बनाया। उन्होंने कहा कि अगली बार जब विधानसभा सत्र चले तो विपक्ष के सदस्य विषय लेकर आएं और विकसित राजस्थान में हमारे सहयोगी बनें।

दीया कुमारी ने संत अमृत समागम महोत्सव में लिया भाग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने सनातन धर्म की रक्षा और प्रसार के लिए सभी वर्गों को एकजुट होकर कार्य करने की जरुरत बताते हुए कहा है कि नई पीढ़ी अगर गुरुकुलों के माध्यम से शिक्षा प्राप्त करे तो वह सनातन संस्कृति को आगे ले जाने में अहम भूमिका निभा सकती है। श्रीमती दीया कुमारी ने शुक्रवार को शाहपुरा स्थित पावन त्रिवेणी धाम में भगवानदास महाराज का जन्मोत्सव और ब्रह्मलीन पद्मसंत नारायणदास महाराज के अमृत महोत्सव में भाग लेकर यह बात कही।

इस दौरान श्रीमती दीया कुमारी ने साधु-संतों से आशीर्वाद प्राप्त कर धार्मिक आयोजन की महत्ता को रेखांकित किया तथा सीताराम जी के दर्शन भी किए। महोत्सव में देशभर से बड़ी संख्या में साधु-संतों ने भाग लिया। धार्मिक अनुष्ठानों, प्रवचनों और श्रीमद भागवत कथा के माध्यम से संपूर्ण वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर रहा। शनिवार को कथा का समापन होगा।

उन्होंने राम रिछपाल दास महाराज से भी आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में अध्यात्म और संस्कारों की जड़ों को मजबूत करते हैं। त्रिवेणी धाम आकर सदैव गहन आध्यात्मिक ऊर्जा और सकारात्मकता का अनुभव होता है, जो जन-जन के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि साधु-संत सदैव समाज का मार्गदर्शन करते हैं और उनका सान्निध्य सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत होता है।

केन्द्रीय वित्त आयोग अनुदान के तहत 541 करोड़ रुपये जारी

जयपुर। केन्द्र सरकार ने राजस्थान को केन्द्रीय वित्त आयोग (शहरी) अनुदान की 541 करोड़ रुपये की राशि जारी कर दी है। एक आधिकारिक बयान में शुक्रवार को यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार इसके साथ ही, केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय ने प्रदेश में समग्र शिक्षा अभियान के लिए 580 करोड़ रुपये भी जारी कर दिए हैं। बयान में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार शहरों में आधारभूत ढांचे के विकास के लिए कार्ययोजना बनाकर पूर्ण प्रतिबद्धता से काम कर रही है। साथ ही, राजस्थान में स्कूली शिक्षा को मजबूत बनाने के लिए समग्र शिक्षा अभियान के मुख्य उद्देश्यों की प्राप्ति भी सुनिश्चित की जा रही है। राजस्थान में शहरी विकास को गति प्रदान करने और शिक्षा के क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए निरंतर केन्द्र सरकार का सहयोग प्राप्त हो रहा है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री शर्मा ने पिछले दिनों मनोहर लाल खट्टर एवं केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान से राज्य की विभिन्न आवश्यकताओं को लेकर मुलाकात की थी।

केंद्रीय पशुपालन राज्यमंत्री ने स्वयं ली टेली कंसलटेंसी

अब देश के अन्य प्रदेश भी इस मॉडल को अपनाएंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल और पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के केबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत के निर्देशन में पशुपालन विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा संचालित 1962-एमवीयू राजस्थान चैटबॉट को देशभर में सराहना मिल रही है। 22 अप्रेल 2025 से देश में प्रथम बार नवाचार के रूप में 1962-मोबाईल वैटेरीनरी यूनिट कॉल सेंटर के साथ संचालित व्हाट्सएप चैटबॉट '1962-एमवीयू राजस्थान' में वीडियो काल द्वारा केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री एसपी सिंह बघेल ने टेली कंसलटेंसी सेवा संबंधी जानकारी प्राप्त की। 08 सितंबर-2025 को केंद्रीय राज्यमंत्री बघेल ने आकस्मिक रूप से एमवीयू राजस्थान चैटबॉट पर संपर्क किया। उन्होंने वीडियो कॉल द्वारा टेली कंसलटेंसी सेवा संबंधी जानकारी प्राप्त की। केंद्रीय राज्यमंत्री बघेल ने पशुपालन विभाग राजस्थान के इस नवाचार की सराहना करते हुए इसे अन्य राज्यों में विस्तारित करने योग्य बताया। बघेल ने राजस्थान सरकार के इस नवाचार के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत के अभिनव प्रयासों की सराहना करते हुए अन्य राज्यों के लिए भी चैटबॉट मॉडल को अपनाने की बात कही है।

इससे पूर्व महाराष्ट्र सरकार ने भी राजस्थान के 1962 चैटबॉट मॉडल की सराहना करते हुए इस मॉडल को अपने प्रदेश में अपनाने का निर्णय लिया है। इस संबंध में 4 सितंबर-2025 को कृषि, पशुपालन, डेयरी डवलपमेंट एवं मत्स्य विभाग के उप सचिव एम.बी. माराले ने महाराष्ट्र में संचालित 1962 महापशुधन संजीवनी एप के माध्यम से राजस्थान की तर्ज पर वाटसएप चैटबॉट की सुविधा शुरू करने के निर्देश दिए हैं।

पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने बताया कि घर आकर पशुओं का इलाज करने वाली '1962-एमवीयू राजस्थान' से संबंधित वाटसएप चैटबॉट की सुविधा शुरू की गई है। इस चैटबॉट का नंबर 9063475027 है। इसके माध्यम से लोग तुरंत वैटनरी सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। इसकी मदद से पशुपालक घर बैठे ही मोबाइल पर चैट कर पशु की बीमारी का इलाज जान सकते हैं। इस चैटबॉट द्वारा विभागीय योजनाओं की जानकारी, विभागीय संस्थाओं की सूची एवं गूगल मैप पर संस्था की स्थिति के साथ ही टेलीकंसलटेंसी के माध्यम से पशुपालकों को पशु चिकित्सा संबंधी सलाह भी प्रदान की जाती है।

17 से हर ग्राम पंचायत में लगेंगे ग्रामीण सेवा शिविर

जयपुर। राजस्थान सरकार जनहित और विकास कार्यों को जनता तक पहुंचाने के लिए 17 सितंबर से हर ग्राम पंचायत में ग्रामीण सेवा शिविर लगाएगी। अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, शिविरों का आयोजन सप्ताह के प्रत्येक बृहस्पतिवार, शुक्रवार और शनिवार को पूर्वाह्न 10 बजे से शाम पांच बजे तक किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि प्रतिदिन पंचायत समिति की दो ग्राम पंचायतों में शिविर लगेंगे। अभियान की शुरुआत के पहले सप्ताह में बुधवार को भी शिविर आयोजित किये जाएंगे। राजस्व विभाग के प्रमुख शासन सचिव दिनेश कुमार ने बताया कि जिला स्तर पर अभियान की तैयारी, क्रियान्वयन, निगरानी एवं समीक्षा की सम्पूर्ण जिम्मेदारी जिलाधिकारी की होगी।

प्रधानमंत्री मोदी का मणिपुर दौरा सिर्फ औपचारिकता, पहले जाना चाहिए था : अशोक गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रस्तावित मणिपुर दौरे को शुक्रवार को महज औपचारिकता करार दिया और कहा कि उन्हें बहुत पहले मणिपुर जाना चाहिए था। यहां एक कार्यक्रम से इतर जब गहलोत से प्रधानमंत्री मोदी के मणिपुर के प्रस्तावित दौरे के बारे में सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, मोदी जी औपचारिकता कर रहे हैं। बस चार घंटे के लिए जाकर आ रहे हैं। मोदी जी को बहुत पहले जाना चाहिए था। मैंने तो मांग भी की थी।

उन्होंने कहा, आज जो स्थिति मणिपुर में बनी, मोदी पहले जाते तो हो सकता है वहां जल्दी शांति बहाल होती। प्रधानमंत्री जाते तो लोग कहते कि प्रधानमंत्री खुद आ गए। प्रधानमंत्री मोदी की माता के लिए कथित तौर पर अभद्र भाषा का इस्तेमाल किए जाने के सवाल पर गहलोत ने कहा, मां के ऊपर बहस होना, मैं समझता हूं ये अपने आप में अच्छी बात नहीं है। मां तो मां होती है। गहलोत ने पड़ोसी देश नेपाल में हिंसक प्रदर्शनों और ताजा हालात पर कहा कि ये चिंता का विषय होना चाहिए क्योंकि पहले श्रीलंका, फिर बांग्लादेश, अफगानिस्तान और अब नेपाल। ये हमारे पड़ोसी मुल्क हैं, जहां इस प्रकार की घटनाएं हो रही हैं। ये घटनाएं बिल्कुल विचलित कर रही हैं। उन्होंने कहा, मैं समझता हूं कि हमारे देश की भूमिका बहुत बड़ी होनी चाहिए थी ताकि वहां ऐसी स्थिति न बने।

कौशल प्रशिक्षण से आत्मनिर्भरता को मिलेगा बढ़ावा : सुथार

जयापुर। विश्वकर्मा कौशल विकास बोर्ड के अध्यक्ष रामगोपाल सुथार ने गुरुवार को आरएसएलडीसी कौशल प्रशिक्षण केंद्र द्वारा संचालित लघु भारती उद्योग सेंटर, जोधपुर का निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रतिभागियों से संवाद कर उनकी राय जानी तथा कपड़े से तैयार किए गए विभिन्न उत्पादों का अवलोकन किया।

सुथार ने कहा कि कौशल प्रशिक्षण से युवाओं की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि कर उन्हें स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रेरित किया जा सकता है। उन्होंने प्रशिक्षण की गुणवत्ता एवं उसके परिणामों की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इस अवसर पर लघु उद्योग भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व महापौर घनश्याम ओझा, प्रदेश उपाध्यक्ष महावीर चोपड़ा, प्रदेश पदाधिकारी हरीश, जिला कौशल प्रबंधक अर्जुन सुथार सहित लघु उद्योग भारती के कार्मिक उपस्थित रहे।

आमजन में लोकप्रिय हो रहे मिलेट आउटलेट्स, सहकारी समितियों की बढ़ रही आय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य में सहकारी संस्थाओं द्वारा मिलेट आउटलेटस खोलने की दिशा में सहकारिता विभाग अहम उपलब्धियां हासिल कर रहा है। राज्य में अब तक 152 मिलेट आउटलेटस खोले जा चुके हैं जो निर्धारित लक्ष्य की तुलना में लगभग साढ़े चार गुना अधिक हैं। ग्राम सेवा सहकारी समिति स्तर तक खोले जा रहे ये मिलेट आउटलेटस आमजन के बीच खास लोकप्रिय हो रहे हैं और बड़ी संख्या में लोग श्री अन्न को अपना रहे हैं। सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां श्रीमती मंजू राजपाल ने बताया कि सितम्बर माह के अंत तक कॉनफेड एवं जिला सहकारी उपभोक्ता भण्डारों के माध्यम से 34 मिलेट आउटलेटस खोलने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, लेकिन सहकारी समितियों की दिलचस्पी और आमजन के रूझान के चलते आदिनांक तक ही 152 मिलेट आउटलेटस खोले जा चुके हैं। कॉनफेड और जिला सहकारी उपभोक्ता भण्डारों के साथ ही क्रय-विक्रय सहकारी समितियों एवं ग्राम सेवा सहकारी समितियों के स्तर पर तेजी से मिलेट आउटलेटस खोले जा रहे हैं। श्रीमती राजपाल ने बताया कि राज्य सरकार की बजट घोषणा की अनुपालना में श्री अन्न उत्पादों की आमजन तक पहुंच बढ़ाने, प्रचलन में लाने तथा सहकारिता एवं राजीविका के स्वयं सहायता समूहों के मिलेट उत्पादों की बिक्री से रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए राज्य भर में ये मिलेट आउटलेटस खोले जा रहे हैं। विगत 17 जुलाई को केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह द्वारा सहकार एवं रोजगार उत्सव के दौरान 64 मिलेट आउटलेटस का शुभारम्भ किया गया था। प्रमुख शासन सचिव ने बताया कि इन आउटलेटस पर आमजन को श्री अन्न तथा श्री अन्न से बने उत्पाद उचित दामों पर उपलब्ध हो रहे हैं। सहकारी संस्थाओं के साथ-साथ राजीविका की महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा उत्पादित मिलेट्स उत्पादों को भी इन मिलेट विक्रय केन्द्रों पर बिक्री हेतु रखा जा रहा है। मिलेट आउटलेटस पर उपलब्ध उत्पादों में सावां, कुटकी, कोदो, कांगनी और छोटी कांगनी के साथ ही मिलेट मिक्स, रोस्टेड ज्वार, रोस्टेड बाजरा, रागी के बिस्किट, ओट्स बिस्किट, कुकीज, श्री अन्न का दलिया, रागी के फ्लेक्स, सावां के रोस्टेड फ्लेक्स आदि प्रमुख है। उन्होंने बताया कि 'सहकार से समृद्धि' परिकल्पना के अंतर्गत राज्य का यह नवाचार निरन्तर सफलता की ओर अग्रसर है और इससे सहकारी समितियों की आय में वृद्धि हो रही है।

कॉनफेड के मैनेजर (मार्केटिंग) श्री हनुमान अग्रवाल ने बताया कि नेहरू सहकार भवन स्थित कॉनफेड स्टोर में संचालित मिलेट आउटलेट में विगत दिनों में बिक्री में जबर्दस्त वृद्धि हुई है। यहां प्रतिमाह लगभग 1.50 लाख रुपये के उत्पादों की बिक्री हो रही है। स्टोर पर श्री अन्न उत्पाद बिक्री के लिए रखे जाने के बाद से खरीददारों की आवाजाही बढ़ी है। उन्होंने बताया कि श्री अन्न से बने उत्पाद यथा- मिलेट्स बिस्किट, मिलेट्स की रोस्टेड नमकीन, मिलेट्स से बने नूडल्स और पोहा आदि की विशेष मांग है। स्वास्थ्य के प्रति जागरूक लोग श्री अन्न के उत्पादों को अपनी थाली में शामिल कर रहे हैं।

श्रीगंगानगर सहकारी उपभोक्ता होलसेल भण्डार लि. के सुपर बाजार प्रभारी श्री अभितेष मिगलानी ने बताया कि मिलेट आउटलेट की शुरूआत से ही लोगों का श्री अन्न उत्पादों के प्रति अच्छा रूझाने देखने को मिल रहा है और उत्पादों की बिक्री में निरन्तर वृद्धि हो रही है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में एक आउटलेट से औसतन 10 हजार रुपये प्रतिमाह की बिक्री हो रही है। विशेष रूप से रोस्टेड उत्पाद जैसे रोस्टेड ज्वार, रोस्टेड बाजरा, रोस्टेड रागी आदि पसंद किए जा रहे हैं। साथ ही, कुकीज और मल्टी ग्रेन आटे की भी अच्छी डिमांड है। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में लोगों की डिमांड के अनुसार प्रोडक्टस बढ़ाए जाएंगे।

रेल मंत्री वैष्णव ने जयपुर में रेलवे के विकास कार्यों का निरीक्षण किया

जयपुर। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बृहस्पतिवार को राजस्थान में जयपुर जंक्शन, गांधीनगर और खातीपुरा रेलवे स्टेशनों पर जारी विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया तथा उनकी प्रगति की समीक्षा की। वैष्णव दिल्ली से खातीपुरा रेलवे स्टेशन पहुंचे।

उन्होंने वहां विकसित की जा रही कोच रखरखाव इकाई के मॉडल का निरीक्षण किया। उन्होंने जगतपुरा में एक स्थानीय कार्यक्रम में भी भाग लिया। कार्यक्रम से इतर वैष्णव ने पत्रकारों से कहा कि उन्होंने रेलवे के विकास कार्यों के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा की है।

रेल मंत्री ने जयपुर में गांधीनगर और खातीपुरा रेलवे स्टेशनों का नाम बदलने का सुझाव दिया ताकि उनके बारे में अधिक स्पष्टता हो सके। उन्होंने सुझाव दिया कि गांधीनगर स्टेशन का नाम बदलकर जयपुर गांधीनगर स्टेशन किया जा सकता है ताकि लोगों को स्पष्ट रूप से समझ आ सके कि यह गुजरात का नहीं बल्कि राजस्थान का गांधीनगर स्टेशन है। उन्होंने अधिकारियों से जनप्रतिनिधियों और नागरिकों से नामों के संबंध में सुझाव लेने को कहा।

केंद्रीय मंत्री ने गांधीनगर रेलवे स्टेशन का दौरा किया और वहां जारी विकास कार्यों का निरीक्षण किया। इस दौरान रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी भी मंत्री के साथ थे। वैष्णव ने लघु उद्योग भारती के कौशल विकास केंद्र में पुरस्कार वितरण समारोह में भी भाग लिया।

मॉरीशस के प्रधानमंत्री अयोध्या पहुंचे, राम मंदिर में की पूजा-अर्चना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम ने शुक्रवार को अयोध्या पहुंचकर राम मंदिर में पूजा की। प्रधानमंत्री डॉ. नवीन चंद्र रामगुलाम पत्नी वीना रामगुलाम और करीब 30 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के साथ यहां पहुंचे। प्रधानमंत्री रामगुलाम ने सबसे पहले भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर में पत्नी के साथ विधि-विधान से दर्शन-पूजन कर लोककल्याण की कामना की। रामगुलाम, भूटान के प्रधानमंत्री के बाद दूसरे ऐसे राष्ट्राध्यक्ष हैं, जिन्होंने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला के दर्शन किए। प्रधानमंत्री रामगुलाम दोपहर करीब 12 बजे महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या हवाई अड्डे पर नवीनचंद्र रामगुलाम का स्वागत किया। हवाई अड्डा परिसर में 'रेड कार्पेट' बिछाकर, मंत्रोच्चारण और पारंपरिक कलश-आरती से प्रधानमंत्री रामगुलाम का अभिनंदन किया गया। इस दौरान ढोल-नगाड़ों और शंखनाद की गूंज ने वातावरण को पूरी तरह आध्यात्मिक बना दिया। मॉरीशस के प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए हवाई अड्डे से राम मंदिर जाने वाले मार्ग को सजाया गया था और पूरे मार्ग पर पोस्टर और बैनर भी लगाए गए थे। हवाई अड्डे से निकलने के बाद प्रधानमंत्री का काफिला भारी सुरक्षा घेरे के बीच सीधे श्रीराम जन्मभूमि मंदिर पहुंचा।

रामगुलाम ने अपनी पत्नी के साथ रामलला की आरती उतारी और लंबे समय तक प्रभु का दर्शन करते रहे। करीब आधा घंटे तक परिसर में रहकर उन्होंने मंदिर निर्माण कार्यों का अवलोकन किया। एक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मॉरीशस के प्रधानमंत्री का यह दौरा दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक एकता का जीवंत प्रतीक है। वहीं प्रधानमंत्री डॉ. रामगुलाम ने अयोध्या आने पर अपनी गहरी प्रसन्नता व्यक्त की और भगवान राम के प्रति आस्था प्रकट की। राम मंदिर परिसर में प्रधानमंत्री डॉ. नवीन चंद्र रामगुलाम और उनके प्रतिनिधिमंडल के लिए टाटा कंपनी की ओर से मंदिर निर्माण से जुड़ी एक विशेष लघु फिल्म प्रदर्शित की गई।

करीब दो मिनट की इस प्रस्तुति में मंदिर की भव्यता, शिल्पकला और निर्माण की अद्भुत झलक दिखाई गई। फिल्म की जानकारी और विवरण मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) कृष्ण कुमार सिंह ने विस्तार से प्रस्तुत किया।

प्रधानमंत्री मणिपुर में 8,500 करोड़ रु की परियोजनाओं का अनावरण करेंगे: गोयल

इंफाल/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 13 सितंबर को मणिपुर का दौरा करेंगे और चूड़ाचांदपुर तथा इंफाल में आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों से बातचीत करेंगे। मुख्य सचिव पुनीत कुमार गोयल ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। प्रधानमंत्री के इस संघर्षग्रस्त राज्य के दौरे की यह पहली आधिकारिक पुष्टि है। दो वर्ष पहले राज्य में जातीय हिंसा भड़कने के बाद मोदी का यह पहला मणिपुर दौरा होगा। गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री 8,500 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का भी अनावरण करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''मणिपुर के समावेशी, सतत और समग्र विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, प्रधानमंत्री चूड़ाचांदपुर में 7,300 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे।'' मोदी इंफाल में 1,200 करोड़ रुपए से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का भी उद्घाटन करेंगे। मुख्य सचिव ने कहा, ''प्रधानमंत्री का 13 सितंबर का मणिपुर दौरा राज्य में शांति, सामान्य स्थिति और विकास का मार्ग प्रशस्त करेगा।'' उन्होंने बताया कि मोदी राज्य के अपने दौरे के दौरान चूड़ाचांदपुर और इंफाल में आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों से बातचीत करेंगे तथा दो रैलियों को संबोधित करेंगे।

सीमा पर शांति भारत सरकार की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने नेपाल में मौजूदा हालातों के बीच शुक्रवार को कहा कि भारत सरकार की पहली प्राथमिकता पड़ोसी देशों व सीमाओं पर शांति स्थापित करना होनी चाहिए। उन्होंने केंद्र सरकार पर अपनी विदेश नीति में विफल होने का भी आरोप लगाया।

लाल पगड़ी पहने अखिलेश यादव ने सपा मुख्यालय में आयोजित सिख समुदाय के एक सम्मेलन को संबोधित करने के बाद पत्रकारों से कहा, हमारे पड़ोसी देशों में शांति स्थापित हो और सीमाओं पर शांति हो, यह भारत सरकार की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। यादव ने आरोप लगाया, भारत सरकार अपनी विदेश नीति में कई बार विफल रही है। हमने यह देखा है। एक बयान के अनुसार, सिख समाज ने अखिलेश यादव पर आगामी विधानसभा चुनाव के लिए भरोसा जताया है। यादव ने आभार जताते हुए कहा, सिख बहादुर कौम है। उन्होंने अपने परिश्रम से जोखिम उठाकर दुनिया भर में अपनी पहचान बनाई है। भारत की मिट्टी के लिए उनके बलिदान कभी भुलाये नहीं जा सकेंगे। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि सत्तारूढ़ दल बुराइयों से भरा पड़ा है और उसकी पराजय तय है। यादव ने कहा कि इन दिनों हर जगह पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) की हवा बह रही है। सपा प्रमुख ने पी का मतलब प्रगति भी बताया। यादव ने कहा कि समाजवादी सरकार में ऐसी व्यवस्था होगी, जिसमें किसान सीधा बाजार से जुड़ जाएगा।

अरुणाचल के सुदूर सीमावर्ती गांवों का वीवीपी के तहत विकास होगा : खांडू

ईटानगर/भाषा। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र की प्रमुख योजना जीवंत ग्राम कार्यक्रम (वीवीपी) के तहत राज्य के सुदूरवर्ती गांवों को विकास की मुख्यधारा में लाया जा रहा है। खांडू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, परिवर्तनकारी जीवंत ग्राम कार्यक्रम के तहत, अरुणाचल प्रदेश के सुदूर गांव अब विकास की मुख्यधारा से जुड़ गए हैं। कार्यक्रम के पहले चरण के तहत किए जा रहे कार्यों का विस्तृत विवरण देते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि 11 सीमावर्ती जिलों में 455 प्राथमिकता वाले गावों की विकास कार्यों के लिए पहचान कर ली गई है।

एसआईटी रिपोर्ट में 'विस्फोटक' खुलासे, देश के खिलाफ काम कर रहे गिरोह की ओर इशारा : हिमंत शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को दावा किया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई और उनके परिवार के कथित पाकिस्तानी संबंधों की जांच करने वाले विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट में 'विस्फोटक खुलासे' हैं और यह देश की विकास प्रक्रिया को बदनाम करने और नीचा दिखाने के लिए काम कर रहे एक गिरोह की ओर इशारा करती है।

मुख्यमंत्री ने यहां बोडोलैंड प्रादेशिक परिषद (बीटीसी) के चुनावों के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का घोषणापत्र जारी करने के कार्यक्रम से इतर कहा, ''मैं आप सभी को आश्वस्त करना चाहता हूं कि यह एक बेहद विस्फोटक रिपोर्ट है। यह एक तरह का गिरोह है जो हमारे देश की विकास प्रक्रिया को बदनाम और उसे नीचा दिखाने के लिए काम कर रहा था।'' उन्होंने कहा, ''उस गिरोह में एक पाकिस्तानी नागरिक और कांग्रेस सांसद की ब्रिटिश पत्नी शामिल हैं। रिपोर्ट में यह पूरी तरह स्पष्ट हो गया है।''

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि एसआईटी टीम ने ''हमारे देश की संप्रभुता के लिए खतरा पैदा करने वाले कई महत्वपूर्ण दस्तावेज़ बरामद किए हैं।'' उन्होंने कहा कि एक बार कैबिनेट इस पर चर्चा कर ले, तो 'हम आम जनता के लिए रिपोर्ट जारी करेंगे और आगे उठाए जाने वाले कदमों पर भी फैसला करेंगे।'' शर्मा ने कहा, ''पहले रिपोर्ट पर चर्चा करना और फिर आगे की कार्रवाई पर फैसला लेना कैबिनेट का विशेषाधिकार है।'' उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि प्रधानमंत्री का राज्य का दो दिवसीय दौरा और 22 सितंबर को बीटीसी चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न हो। मुख्यमंत्री ने कहा, ''हम रिपोर्ट को लेकर कोई नाटक नहीं करना चाहते, क्योंकि सरकार 'टीआरपी' के लिए काम नहीं करती। हम इस मामले को गंभीरता से ले रहे हैं और ज़रूरी प्रक्रिया का पालन करेंगे।'' विशेष पुलिस महानिदेशक (सीआईडी) मुन्ना प्रसाद गुप्ता के नेतृत्व वाली एसआईटी ने बुधवार शाम मुख्यमंत्री को औपचारिक रूप से रिपोर्ट सौंप दी थी।

कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने शर्मा पर कटाक्ष करते हुए कहा कि उन्होंने अपने कार्यों से अपने पद का मजाक उड़ाया है और उनके शब्दों की विश्वसनीयता खत्म हो गयी है। इस पर शर्मा ने कहा कि 'मीडिया ने उन्हें नायक बना दिया है।'' 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के दौरान कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा कथित तौर पर 'बॉडी डबल' (हूबहू दिखने वाले व्यक्ति) का इस्तेमाल किए जाने के बारे में शर्मा ने कहा कि उन्होंने यात्रा के दौरान एक संवाददाता सम्मेलन में सारी जानकारियां दे दी थीं।

ऊंटों के जरिए शराब तस्करी करने के आरोप में पांच लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने ऊंटों का इस्तेमाल कर फरीदाबाद से दिल्ली शराब तस्करी करने के आरोप में पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आरोपियों की पहचान विनोद भड़ाना (48), सुनील भड़ाना (38), राहुल (22), अजय (25) और सौरभ (26) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि आम रास्तों पर कड़ी निगरानी के कारण आरोपियों के लिए शराब की खेप गाड़ियों से ले जाना मुश्किल हो गया था इसलिए उन्होंने ऊंटों के जरिए कम भीड़भाड़ वाले रास्तों से तस्करी का यह अनोखा तरीका अपनाया। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण) अंकित चौहान ने कहा, उन्होंने सोच-समझकर ऊंटों का इस्तेमाल शुरू किया और फरीदाबाद तथा दिल्ली के बीच पड़ने वाले जंगलों और निर्जन रास्तों का सहारा लिया। राजमार्गों और जांच चौकियों से बचकर वे शराब को राजधानी तक पहुंचाने की कोशिश कर रहे थे। डीसीपी ने बताया कि इस अभियान के दौरान तीन ऊंटों को बचाया गया और 42 पेटी शराब बरामद की गई। चौहान ने कहा, इलाके से तस्करी की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने संगम विहार के जंगलों में निगरानी बढ़ा दी थी। बृहस्पतिवार रात पुलिस की एक टीम ने शराब से लदे ऊंटों पर सवार आरोपियों को रोका और पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

पीलीभीत में अस्पताल से मृत शिशु का शव लेकर भागा आवारा कुत्ता

पीलीभीत/भाषा। पीलीभीत के जिला मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल परिसर से एक आवारा कुत्ता एक मृत शिशु का शव मुंह में दबाकर भाग गया। इस घटना से अस्पताल में सुरक्षा उपायों की कमी को लेकर लोगों में आक्रोश फैल गया। महिला अस्पताल के अधीक्षक डॉ. राजेश कुमार ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि खाग सराय गांव के रहने वाले अजय की पत्नी रेशमा (25) को बृहस्पतिवार को प्रसव पीड़ा के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्होंने बताया कि सर्जरी के दौरान रेशमा ने एक मृत शिशु को जन्म दिया और अस्पताल प्रशासन ने औपचारिकताएं पूरी करने के बाद शव परिवार को सौंप दिया। कुमार ने बताया कि परिवार अस्पताल के बाहर एक पार्क में शव के साथ एक बेंच पर बैठा था कि तभी रात करीब नौ बजे एक आवारा कुत्ता शव मुंह में दबाकर भाग गया। उन्होंने बताया कि रिश्तेदारों और आसपास खड़े लोगों ने कुत्ते का पीछा किया, जिसके बाद जानवर शव को लगभग 100 मीटर दूर झाड़ियों में फेंक कर भाग गया। कुमार ने बताया कि यह घटना अस्पताल के कर्मचारियों की लापरवाही के कारण नहीं हुई। उन्होंने बताया कि शव परिवार को सौंप दिया गया था और वे उसे बाहर पार्क में ले गए।

भारत-पाक मैच को लेकर आदित्य ठाकरे ने भाजपा, बीसीसीआई पर साधा निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। शिवसेना (उबाठा) नेता आदित्य ठाकरे ने शुक्रवार को एशिया कप में भारत-पाकिस्तान मैच को लेकर भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि भाजपा ने अपनी विचारधारा बदल दी है। उन्होंने पूछा कि क्या ''खून बहाना और क्रिकेट एक साथ हो सकते हैं।'' ठाकरे की आलोचना का जवाब देते हुए, महाराष्ट्र के मंत्री आशीष शेलार ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों को द्विपक्षीय राजनीतिक गतिरोधों से प्रभावित नहीं किया जा सकता।

आदित्य ठाकरे ने संवाददातओं से कहा कि पाकिस्तान ने भारत में कई आतंकी हमले करवाए हैं और देश के प्रसारकों को भारत-पाकिस्तान मैच का बहिष्कार करना चाहिए। उन्होंने कहा, ''बीसीसीआई राष्ट्र-विरोधी होता जा रहा है। बीसीसीआई पाकिस्तान के साथ खेलने को लेकर इतना उत्साहित क्यों है? क्या यह पैसे, टीवी से प्राप्त होने वाले राजस्व, विज्ञापन से होने वाली कमाई के लालच में है या खिलाड़ियों की फीस के लिए? जब पाकिस्तान सिर्फ भारत में होने के कारण एशिया कप का बहिष्कार कर सकता है, तो बीसीसीआई ऐसा क्यों नहीं कर सकता?'' ठाकरे ने कहा, ''अगर असली भाजपा सत्ता में होती, तो वह इसकी अनुमति नहीं देती। भाजपा ने अपनी विचारधारा बदल ली है।'' शिवसेना (उबाठा) नेता ने बाद में 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''अगर खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते, तो क्रिकेट और खून बहाना एक साथ कैसे हो सकते हैं?'' उन्होंने कहा, ''आतंकवाद को पनाह देने वाले देश के साथ क्रिकेट खेलने पर केंद्र सरकार चुप क्यों है?'' इस बीच, भाजपा मंत्री शेलार, जो एशिया क्रिकेट परिषद बोर्ड में बीसीसीआई के प्रतिनिधि भी हैं, ने शिवसेना (उबाठा) सांसद संजय राउत पर इस मुद्दे पर ''भारत विरोधी'' रुख अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''हमारा रुख हमेशा से स्पष्ट रहा है कि भारतीय क्रिकेट टीम पाकिस्तान का दौरा नहीं करेगी और पाकिस्तान की टीम भी भारत नहीं आएगी।

हालांकि, हम अपनी टीम को किसी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में खेलने या भाग लेने से नहीं रोक सकते। यह कैसा रुख है? यह उचित रुख नहीं है?''शेलार ने कहा, ''जो लोग अब भारत के मैच खेलने का विरोध कर रहे हैं, उन्हें याद रखना चाहिए कि (दिवंगत शिवसेना संस्थापक) बालासाहेब ठाकरे ने अपने आवास पर मियांदाद की मेजबानी की थी।''

किसी खिलाड़ी विशेष की नहीं , सिर्फ भारतीय टीम की बात करो : कपिल देव

नई दिल्ली/भाषा। कपिल देव ने पाकिस्तान के खिलाफ रविवार को होने वाले एशिया कप के अहम मुकाबले से पहले शुक्रवार को कहा कि भारतीय टीम एशिया कप की प्रबल दावेदार है लेकिन व्यक्तिगत प्रदर्शन की बजाय टीम के बारे में बात करनी चाहिये ।मई में सीमा पर तनाव के बाद भारत और पाकिस्तान का यह पहला मैच होगा। यहां गोल्फ के एक कार्यक्रम से इतर कपिल से यह पूछा गया कि भारत . पाकिस्तान मुकाबले में वह किसे भारतीय टीम का 'एक्स फैक्टर' मानते हैं तो उन्होंने कहा ,'' मैं भारतीय टीम का समर्थन कर रहा हूं । भारत एक टीम के रूप में खेलेगा और ट्रॉफी के साथ लौटेगा । यही मेरी इच्छा है और जिस तरह से वे खेल रहे हैं, मुझे यकीन है कि वे जीतकर लौटेंगे।'' खिलाड़ियों के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि पूरा फोकस टीम पर होना चाहिये, किसी खिलाड़ी पर नहीं । उन्होंने कहा ,'' एक टीम के रूप में भारत की बात करें, ,खिलाड़ियों की नहीं । जब एक टीम खेलती है तो पूरी टीम खेलती है । हमें खिलाड़ी विशेष के बारे में बात नहीं करनी चाहिये ।'' उन्होंने कहा ,'' अगर कोई अच्छा खेलता है तो वह प्रदर्शन और वह खिलाड़ी सभी की नजर में होगा । मुझे और कुछ नहीं कहना है ।''

प्रधानमंत्री का मणिपुर दौरा 'महज प्रतीकात्मक' है : प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष का आरोप

इंफाल/भाषा। मणिपुर कांग्रेस अध्यक्ष कीशम मेघचंद्र ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि जातीय हिंसा से प्रभावित इस राज्य में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दौरा ''केवल प्रतीकात्मक'' है और इसका उद्देश्य ''शांति लाना और न्याय सुनिश्चित करना'' नहीं है। मोदी शनिवार को मणिपुर पहुंचेंगे, जहां दो साल पहले जातीय हिंसा भड़की थी। वह 8,500 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का अनावरण करेंगे।

मेघचंद्र ने एक वीडियो संदेश में दावा किया, ''मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यात्रा को महज प्रतीकात्मक और दिखावा मानता हूं। राहत शिविरों में रह रहे आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों सहित महीनों से पीड़ित लोगों को शांति, पुनर्वास और न्याय के लिए एक ठोस रूपरेखा की उम्मीद थी।'' प्रदेश कांग्रेस प्रमुख ने यह भी आरोप लगाया कि मोदी का दौरा खोखला है। वांगखेम के विधायक ने कहा, ''बेहतर होता, अगर उन्होंने यह बता दिया होता कि यह यात्रा शांति और न्याय लाने से जुड़ी है। सभी हितधारकों के साथ बातचीत न होने से मैं बेहद निराश हूं।'' कांग्रेस नेता ने दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी ने मौजूदा स्थिति का ठीक से समाधान नहीं किया है। उन्होंने कहा, ''हमने यह भी सुना है कि चुराचांदपुर में हताश लोगों ने प्रधानमंत्री की यात्रा के संबंध में लगाए गए बैनर और कार्डबोर्ड कट-आउट नष्ट कर दिए।''

कांग्रेस का दशकों से हो रहा है पतन, राहुल का 'वोट चोरी' का आरोप निराधार : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को भारत के चुनावी इतिहास से जुड़े कुछ आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि राहुल गांधी का ''वोट चोरी'' का आरोप बेबुनियाद है और 1984 के बाद से ही कांग्रेस के चुनावी प्रदर्शन में लगातार गिरावट आई है। वर्ष 1984 में कांग्रेस ने आखिरी बार लोकसभा में बहुमत हासिल किया था और 2014 में सत्ता में रहते हुए यह सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई थी।

भाजपा नेता जी.वी.एल. नरसिम्हा राव ने एक बयान में कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता का मानना है कि कांग्रेस का पतन 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद ही शुरू हुआ, जबकि यह पहले ही शुरू हो गया था। उन्होंने कहा, ''सच तो यह है कि कांग्रेस 1984 में अपने अब तक के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के बाद से लगातार गिरावट की ओर बढ़ रही है। 1984 में राजीव गांधी ने 48 प्रतिशत से ज़्यादा वोट शेयर और 543 लोकसभा सीटों में से 414 सीटों के साथ भारी जीत हासिल की थी। इसके बाद के तीन दशकों में जनसमर्थन में गिरावट के बाद, 2014 में इसका अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन दर्ज किया गया, जब इसने 19.5 प्रतिशत वोट शेयर के साथ 543 में से सिर्फ़ 44 सीटें जीतीं।'' राव के अनुसार, राहुल गांधी का यह कोई तर्क नहीं हो सकता कि 2014 से पहले निर्वाचन आयोग कांग्रेस के ख़िलाफ़ साज़िश रच रहा था और भाजपा के लिए काम कर रहा था, क्योंकि उस समय मनमोहन सिंह कांग्रेस के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार का नेतृत्व कर रहे थे। उनका कहना है कि कांग्रेस पार्टी का पतन 1989 से शुरू हुआ और 2014 तक जारी रहा। उन्होंने कई लोकसभा चुनावों के राष्ट्रीय और कई राज्यों के आंकड़ों का हवाला दिया। राव ने कहा, ''जनता का ध्यान खींचने के लिए राहुल गांधी दावा कर रहे हैं कि उनके खुलासे 'एटम बम' या 'हाइड्रोजन बम' जितनी राजनीतिक शक्ति रखते हैं और मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा को नष्ट कर देंगे। पिछले चुनावों के रुझानों के विश्लेषण से पता चलता है कि उनके दावे बेबुनियाद हैं।

बदलाव का दौर हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है, मौजूदा महिला हॉकी टीम पर रानी रामपाल ने कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व भारतीय कप्तान रानी रामपाल ने बदलाव के दौर से गुजर रही मौजूदा महिला हॉकी टीम का समर्थन करते हुए कहा कि चर्चा सिर्फ पदकों के बारे में नहीं बल्कि प्रगति के बारे में भी होनी चाहिए। रामपाल ने उम्मीद जताई कि टीम चीन में चल रहे एशिया कप को जीतकर अगले साल विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेगी।

उन्होंने यहां एक कार्यक्रम के इतर कहा, ''लगातार अच्छा प्रदर्शन सबसे अहम है। मुझे उम्मीद है कि टीम एशिया कप जीतेगी और विश्व कप के लिए क्वालीफाई करेगी। '' रामपाल ने कहा, ''बदलाव का दौर हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है। हम अकसर पदकों की बात करते हैं, प्रगति की नहीं। हमें जमीनी स्तर पर विकास पर अधिक ध्यान देने की दरकार है।''

देश की उम्मीदों का भार लिये चोपड़ा के सामने विश्व चैंपियनशिप के स्वर्ण पदक के बचाव की चुनौती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

टोक्यो/भाषा। भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा शनिवार से शुरू हो रही विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत के लिए पदक की इकलौती उम्मीद होंगे, वह देश की उम्मीदों पर खरा उतरने के साथ लगातार दो स्वर्ण पदक जीत कर विश्व चैंपियनशिप के इतिहास में ऐसा कारनामा करने वाले केवल तीसरे पुरुष भाला फेंक खिलाड़ी बनने की कोशिश करेंगे।

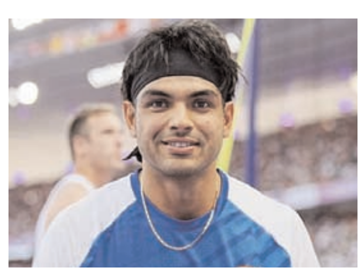

चोपड़ा ने 2023 में बुडापेस्ट में आयोजित सत्र में 88.17 मीटर की दूरी के साथ स्वर्ण पदक जीता था जबकि पाकिस्तान के ओलंपिक चैंपियन अरशद नदीम (87.82 मीटर) ने रजत और चेक गणराज्य के याकूब वाडलेज (86.67 मीटर) ने कांस्य पदक जीता था। चोपड़ा अगर 18 सितंबर को फाइनल में फिर से स्वर्ण जीतते हैं, तो वह लगातार दो विश्व चैंपियनशिप में भाला फेंक में स्वर्ण पदक जीतने वाले सिर्फ तीसरे खिलाड़ी बनेंगे। यह उपलब्धि अब तक चेक गणराज्य के महान खिलाड़ी यान जेलेजनी (1993 और 1995) और ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स (2019 और 2022) ने हासिल की है। जेलेजनी मौजूदा समय में चोपड़ा के कोच है। चोपड़ा 19 सदस्यीय भारतीय टीम का नेतृत्व कर रहे हैं और एकमात्र पदक उम्मीदवार हैं। वह एक साल से भी ज्यादा समय बाद अरशद नदीम का सामना करेंगे। दोनों खिलाड़ियों की पिछली टक्कर 2024 पेरिस ओलंपिक में हुई थी, जहां चोपड़ा ने दूसरा स्थान हासिल किया था। चोपड़ा के पास ऐसे में पेरिस ओलंपिक का हिसाब चुकता करने का भी मौका होगा। इस 27 साल के भारतीय खिलाड़ी के लिए स्वर्ण जीतना आसान नहीं होगा।

भावनाओं में बहने के कारण भारत से हार जाता है पाकिस्तान : लतीफ

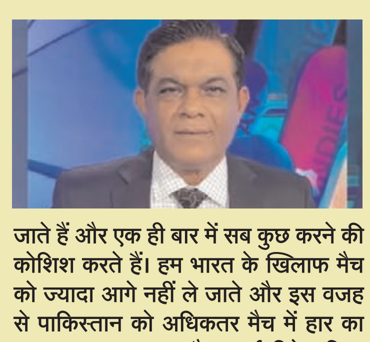

नई दिल्ली/भाषा। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ का मानना है कि भारत के खिलाफ खेलते समय भावनाएं अक्सर उनकी टीम पर हावी हो जाती हैं और इसी कमजोरी के कारण उन्हें हाल के वर्षों में अपने इस चिर प्रतिद्वंद्वी से महत्वपूर्ण मैचों में हार का सामना करना पड़ा है।

राजनीतिक तनाव के कारण दोनों पड़ोसी देशों के बीच द्विपक्षीय क्रिकेट एक दशक से भी ज़्यादा समय से स्थगित है, जिससे उनके मुकाबले अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद और एशियाई क्रिकेट परिषद की प्रतियोगिताओं तक सीमित हो गए हैं। पिछले 10 साल में यह प्रतिद्वंद्विता काफ़ी हद तक एकतरफ़ा रही है, जिसमें भारत ने 15 में से 12 मैच जीते हैं। लतीफ ने पीटीआई वीडियो से कहा, ''हम भावुक या अति उत्साहित हो जाते हैं और एक ही बार में सब कुछ करने की कोशिश करते हैं। हम भारत के खिलाफ मैच को ज्यादा आगे नहीं ले जाते और इस वजह से पाकिस्तान को अधिकतर मैच में हार का सामना करना पड़ता है।'' पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा, ''दूसरी ओर भारत पिच और मैच की परिस्थितियों के अनुसार खेलता है और इसलिए उसे सफलता मिलती है। पाकिस्तान पर अपेक्षाओं का बोझ है और भारत इसका फायदा उठाता है।''

सुविचार

सपने देखने वालों के लिए दुनिया में कुछ भी असंभव नहीं होता।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गांधी और शास्त्री से यह भी सीखें राजनेता

प्राचीन काल में अच्छे राजा के कई गुणों में से एक गुण यह भी माना जाता था कि वह समय-समय पर वेश बदलकर जनता के हालचाल जाने। एक आम धारणा थी कि अगर राजा चरित्रवान है, खेतों में फसल अच्छी है, राजकाज में रिश्वतखोरी नहीं है, अत्याचार नहीं है, अपराधों पर नियंत्रण है और जनता के लिए मनोरंजन उपलब्ध है तो विद्रोह नहीं होगा। अगर इनमें से एक भी बिंदु में कोई गड़बड़ हुई तो वह कालांतर में विद्रोह का कारण बन सकती है। आज दुनिया के ज्यादातर देशों में लोकतंत्र है, इसलिए राजा की जगह प्रधानमंत्री-राष्ट्रपति होते हैं। उन्हें भी इन बातों का ध्यान रखना चाहिए, ताकि जनकल्याण की भावना कमजोर न पड़े। नेपाल समेत कई देशों का यह दुर्भाग्य रहा कि वहां 'जनता की भलाई करेंगे' - जैसा नारा देने वाले राजनेता तो खूब उभरे, लेकिन उन्होंने सत्ता प्राप्त करने के बाद खुद का ही भला किया। वे लोकतंत्र को राजतंत्र की तर्ज पर चलाते हुए अपने बच्चों के लिए रास्ता बनाते गए। नेपाल की घटना का एक बड़ा संदेश यह भी है कि राजनेताओं और सरकारी अधिकारियों को अपने जीवन में सादगी का पालन करना चाहिए। उन्हें यही आदर्श अपने बच्चों को सिखाना चाहिए। अगर किसी देश में आम आदमी आर्थिक अभावों एवं परेशानियों का सामना कर रहा है और राजनेता, अधिकारी तथा उनके बच्चों के ठाठ के चर्चे हैं तो उससे अच्छा संदेश नहीं जाएगा। वहीं, आम आदमी जब यह देखता है कि मैं भले ही कष्ट में हूं, लेकिन देश के राजनेता, अधिकारी और उनके परिजन इस पीड़ा को समझते हैं, तो व्यवस्था के प्रति उसके विश्वास में कमी नहीं आएगी।

महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री ऐसे महापुरुष थे, जिन्होंने सादगी को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बना लिया था। वे आखिरी क्षण तक इस आदर्श को जीते रहे। गांधीजी के एक आह्वान पर लोगों ने विदेशी माल की होली जलानी शुरू कर दी थी। शास्त्रीजी की एक पुकार पर करोड़ों हिंदुस्तानियों ने उपवास रखना शुरू कर दिया था। अमेरिका द्वारा पीएल 480 का गेहूं बंद करने की धमकी का उन्होंने जिस तरह जवाब दिया, वह हमेशा याद रखा जाएगा। शास्त्रीजी ने अपनी पत्नी से कहा था, 'क्या आप ऐसा कर सकती हैं कि आज शाम हमारे यहां खाना न बने? मैं कल देशवासियों से एक वक्त का खाना न खाने की अपील करने जा रहा हूं। मैं देखना चाहता हूं कि मेरे बच्चे भूखे रह सकते हैं या नहीं?' ऐसे सादगी-पसंद राजनेता की सत्यनिष्ठा को उनके विरोधी भी नमन करते हैं। नेपाल में कहने को तो केपी शर्मा ओली के नेतृत्व में कम्युनिस्ट पार्टी का शासन था, लेकिन वहां राजनेताओं और उनके परिवारों के ऐशो-आराम गजब के थे। उनके बच्चे सोशल मीडिया पर अपनी अमीरी का प्रदर्शन कर रहे थे। 'वे कितने सुंदर बंगले में रहते हैं, कितने लज़ीज़ पकवान खाते हैं, कितनी महंगी गाड़ियों में घूमते हैं, कैसे कपड़े पहनते हैं, कौनसा मोबाइल फोन रखते हैं और कैसे बेरोक-टोक मस्ती करते हैं' - जैसे वीडियो देखकर आम आदमी ने खुद को ठगा हुआ महसूस किया था। नेपाल के मौजूदा हालात के लिए ओली और उनकी मंडली जिम्मेदार हैं, जिन्होंने जनकल्याण के बजाय खुद के कल्याण का ही ध्यान रखा। जब नेपाल की जनता ने देखा कि हमारे कष्ट दूर नहीं हो रहे और राजनेताओं-अधिकारियों के बच्चे गुलछर्रे उड़ा रहे हैं तो विद्रोह की चिंगारी भड़की। बाकी कसर ओली ने सोशल मीडिया पर पाबंदी लगाकर पूरी कर दी। जो लोग राजनीति को मौज करने का जरिया समझते हैं, सार्वजनिक धन को ऐशो-आराम पर बर्बाद करते हैं, वे इसी तरह बेआबरू होकर निकलते हैं। राजनेताओं को तपस्वियों की तरह रहना चाहिए। अगर उनके जीवन में सादगी होगी तो अन्य लोग भी इसे अपनाएंगे और उन पर दृढ़ता से विश्वास करेंगे।

ट्वीटर टॉक

12 सितंबर 1897 को केवल 21 सिख सैनिकों ने सारागढ़ी में वीरता का परिचय देते हुए हजारों अफगानों का मुकाबला किया। सारागढ़ी युद्ध स्मृति दिवस पर उन अमर शहीदों को शत-शत नमन, जिनके बलिदान पर भारत गर्व करता है।

–वसुंधरा राजे

भारत के 15वें उपराष्ट्रपति आदरणीय श्री सी.पी. राधाकृष्णन जी के शपथ ग्रहण समारोह में गर्वपूर्वक उपस्थित रहा। निश्चित रूप से उनका राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण इस अत्यंत महत्वपूर्ण पद की गरिमा को बढ़ाएगा। सफल कार्यकाल हेतु पुनः सादर शुभकामनाएँ।

–गजेन्द्र सिंह शेखावत

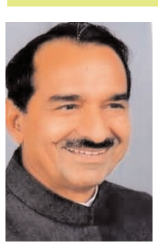

कांग्रेस अपना वर्चस्व खो चुकी है और अब वो घटिया हथकंडे अपना रही है, कभी मोदी सरनेम को लेकर और कभी वे मां के नाम पर अभद्र शब्दों का इस्तेमाल करते हैं... कांग्रेस ने अपने स्टेट हैंडल पर जो वीडियो अपलोड किया वो बेहद निंदनीय है।

–मदन राठौड़

प्रेरक प्रसंग

संतोष-निःस्वार्थ जीवन का सुख

टॉलस्टॉय अपने जीवन के उत्तरार्ध में अत्यंत प्रसिद्ध हो चुके थे। लेकिन एक दिन उन्होंने भीतर एक गहरे शून्य को महसूस किया। उन्होंने लिखा कि हर सुबह जागने पर उनके मन में यही प्रश्न उठता था'मैं यह सब क्यों कर रहा हूं? जीवन का अर्थ क्या है?' धीरे-धीरे यह प्रश्न इतना गहरा हो गया कि उन्हें जीवन ही निरर्थक लगने लगा। एक दिन वे अपने खेतों में टहल रहे थे। वहीं उन्होंने एक साधारण किसान को देखा, जो पूरी लगन और शांत भाव से हल चला रहा था। न उसके पास पुस्तकें थीं, न ज्ञान का गर्वफिर भी उसके चेहरे पर संतोष की एक अद्भुत शांति थी। टॉलस्टॉय सोच में पड़ गए'मेरे पास सब कुछ है, फिर भी मैं असंतुष्ट हूं। इस किसान के पास कुछ नहीं है, फिर भी यह प्रसन्न है। ऐसा क्यों?' उत्तर धीरे-धीरे स्पष्ट होने लगा। वह किसान अपने श्रम, अपने परिवार और ईश्वर में विश्वास रखता था। उसने जीवन को जटिल नहीं बनाया, बल्कि सरलता में ही उसका अर्थ खोज लिया। टॉलस्टॉय को अनुभव हुआ कि जीवन का उद्देश्य महान उपलब्धियां या बाहरी सफलता नहीं हैं, बल्कि सच्चा अर्थ साधारण कर्म, सादगी और निष्कलंक विश्वास में छिपा होता है। यह अनुभव टॉलस्टॉय के जीवन और लेखन दोनों को बदल गया।

सामयिक

हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव और विकास

ई. प्रभात किशोर
मोबाइल : 8544128428

धवल 'उदन्त मार्तन्ड' हिन्दी का प्रथम समाचार पत्र था। 30 मई 1826 को कोलकाता से प्रकाशित इस साप्ताहिक पत्र से ही भारत में हिन्दी समाचार पत्रों के आदि युग की विकास यात्रा आरंभ होती है। सन 1788 में कानपुर में जन्में तथा कोलकाता के दिवानी कचहरी में प्रोसिडिंग रीडर के रूप में सेवारत युगल किशोर शुक्ल के सम्पादकत्व में प्रकाशित 'उदन्त मार्तण्ड' समाचार रूपी सूर्य था जिसने हिन्दी पत्रकारिता के पथ को आलोकित एवं दिग्दर्शित किया। मात्र एक साल सात माह के पश्चात वितीय संकट एवं हिन्दी भाषी कोलकातावासियों की उदासीनता के कारण 4 दिसम्बर 1827 को इसकी जीवनयात्रा समाप्त हो गई। इस पत्र पर निम्नलिखित पद्य छपा करता था - दिनकर कर प्रगटत दिनहिं यह प्रकाश अठ याम, ऐसो रवि अब उगऊँ महि, जेहि सुख को धाम। अंत कमलनि विगसित करत बढ़त चाव चितवाम, लेत नाम या पात्र को, होत हर्ष अरू काम।।

बंगदूत साप्ताहिक कोलकाता से ही 10 मई 1829 को निकाला गया। राजा राम मोहन राय के सहयोग और नीलरत्न हलधर के संपादकत्व में प्रकाशित यह पत्र मूलतः बंगला का था, जो आवश्यकतानुसार हिन्दी में भी छपा। बंगदूत के हिन्दी अंश के ऊपर निम्न पद्य उद्धृत रहते थे - भूतल की यह रीत बहुत थोड़े में भाखे। लोगनी के बहु लाग होए यही ते लाखे।। बंगला की दूत-पूत यही वायु को जानो। होए विदित सब देश क्लेश को लेश न मानो।।

'बनारस अखबार' साप्ताहिक हिन्दी प्रदेश से निकलनेवाला पहला पत्र था। यह सन 1845 में काशी से गोविन्द रघुनाथ तथते के संपादकत्व में निकला। सन 1846 में कोलकाता से इंडियन सन प्रकाशित हुआ, जो बंगाल हेराल्ड और बंगदूत की भांति पांच भाषाओं में छपता था। इसमें दस पृष्ठ होते थे और प्रत्येक पृष्ठ पर पांच कालम रहते थे। इसका हिन्दी नाम मार्तण्ड था। सुधावर्षण हिन्दी का प्रथम दैनिक पत्र था, जो कोलकाता स्थित बड़ा बाजार से सन 1854 में निकला। मूलतः यह द्विभाषी पत्र था, जिसके आरंभिक दो पृष्ठ हिन्दी तथा शेष दो पृष्ठ बंगला में रहते थे। इसके संपादक श्याम सुंदर सेन थे।

'प्यामे आजादी' सन 1857 में स्वतंत्रता आंदोलन के नेता अजीमुल्ला खान द्वारा दिल्ली से निकाली गई। यह पहले उर्दू में निकलती थी, पर शीघ्र हीं हिन्दी में भी प्रकाशित की जाने लगी। इसी पत्र में 1857 का प्रथम प्रसिद्ध भारतीय राष्ट्रगीत छपा था, जिसकी आरंभिक पंक्तियां थीं- हम हैं इसके मालिक हिन्दुस्तान हमारा। बात वतन है कौम का जन्नत से भी प्यारा।।

शासकों द्वारा 'प्यामे आजादी' के संपादक मिर्जा बेदार बख्त को फांसी दे दी गई। साथ हीं हेनरी काटन द्वारा आदेश जारी हुआ कि 'प्यामे आजादी' की प्रतियां जिस किसी के पास पायी जाएगी, वह प्राणदंड का भागीदार होगा। समाचार पत्रों के इतिहास में संभवतः यह प्रथम घटना है जब किसी पत्र के पाठकों के सम्पूर्ण परिवार को फांसी दी गई हो। सन 1859 में अहमदाबाद से धर्मप्रकाश और सन 1863 में मिशनरियों द्वारा आरा से मृत लोकहित निकाला गया। सन 1866 में मारवाड़ गजट का प्रकाशन प्रारंभ हुआ।

सन 1867 में जम्मू-कश्मीर से हीं एक और हिन्दी पत्र 'विद्या विलास' उर्दू में निकला। सन 1826-67 का काल भारत में हिन्दी पत्रकारिता के उद्भव और विकास का काल है। इस काल में निकली पत्र-पत्रिकाओं ने भारतीय पत्रकारिता हेतु लीक बनाने का कार्य किया। बाद में भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के पत्रकारिता जगत में पदार्पण के साथ हीं हिन्दी पत्रकारिता को नया आयाम, नया स्वरूप एवं नई दिशा मिली और सही मायने में एक नये युग की नींव पड़ी।

उदन्त मार्तण्ड से हिन्दी समाचार-पत्रों के आदि युग की जो विकास यात्रा आरंभ होती है, वह हिन्दी पत्रकारिता भारतेन्दु युग तक दैनिक, साप्ताहिक तथा मासिक माध्यम से अग्रसर होती रही। भारतेन्दु युग (1867-1885) हिन्दी पत्रकारिता के इतिहास का दूसरा युग माना जाता है, जिन्होने साहित्य रचना को एक मिशन की तरह लिया और सन 1867 में काशी से कवि वचन सुधा मासिक आरंभ की। भारतेन्दु जी मानते थे कि देश की उन्नति हेतु स्वदेशी वस्तु हीं नहीं, निज भाषा भी अत्यावश्यक है। वे गुलामी की शिक्षा से घृणा करते थे। उनका मूल-मंत्र था - निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति की मूल। बिन निज भाषा ज्ञान के, मिटय नहीय को सूल।।

बाद के वर्षों में महावीर प्रसाद द्विवेदी के सरस्वती (1900), गणेश शंकर विद्यार्थी के प्रताप (1910) आदि के कालखंडों से गुजरते हुए हिन्दी पत्रकारिता ने प्रेमचंद युग में प्रवेश किया। भारतवर्ष में एक ओर हिन्दी के विकास का दौर चल रहा था, तो दूसरी ओर अंग्रेजी दमन से मुक्ति हेतु स्वतंत्रता आंदोलन जोर पकड़ रहा था। हिन्दी पत्र-पत्रिकाओं ने आंदोलन में जनमानस को उद्वेलित एवं संगठित करने में मेरूदंड का कार्य किया। भारतेन्दु काल में स्वदेशी जागरण की जो मशाल जली थी, मुंशी प्रेमचंद के काल में वह दावानल का रूप ले चुका था। अपने पत्र 'हंस' (1930) एवं 'जागरण' में अपनी जादुई लेखनी से उन्होंने ब्रिटीश शासन की बखिया उधेड़कर रख दी तथा परिस्थितियां कठोर होने के बावजूद अपने को दृढ़वत सिद्ध किया।

मंथन

प्रिंट मीडिया की साख आज भी कायम

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 9414441218

हमारा पड़ोसी देश नेपाल सोशल मीडिया से उत्पन्न हिंसक क्रांति की आग से सुलग रहा है। नेपाल में चल रहे विरोध प्रदर्शनों और हिंसा को लेकर भारत का सियासी पारा भी हाई है। वहीं हमारे यहां के बयानवीर नेता भारत में भी अपने बयानों के जरिये आग लगाने का कुत्सित प्रयास कर रहे है। रही सही कसर टीवी चैनलों की बहस पूरी कर रहे है। विभिन्न न्यूज़ चैनलों पर बहस के दौरान कांग्रेस सहित इंडिया ब्लॉक के नेता भारत में भी ऐसी घटनाओं के घटित होने पर अपनी आग उगलने लगे है। संजय राउत और उदित राज जैसे नेता कहां पीछे रहने वाले है। सोशल मीडिया को कुछ लोगों ने अपना हथियार बनाकर नेपाल के हालात की भारत से तुलना करने लगे हैं। सोशल मीडिया पर कह दिया कि लोग चर्चा कर रहे हैं जिस तरह से नेपाल, श्रीलंका और बांग्लादेश में सत्ता को जनता ने उखाड़ फेंका है, क्या भारत में ऐसा नहीं हो सकता।

देश के नामी गिरामी न्यूज चैनलों पर अभद्रता, गाली गलौज और मारपीट की घटनाएं अब आम हो गई है। न्यूज चैनल्स की डिबेटस की भाषाई मर्यादाएं और गरिमा तार तार हो रही है। ऐसा लगता है डिबेटस में झूठ और नफरत का खुला खेल खेला जा रहा है। डिबेट्स और चैनलों का ये गिरता स्तर लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। प्रमुख पार्टियों के प्रवक्ता जिस प्रकार की भाषा का प्रयोग कर रहे है वह निश्चय ही निंदनीय और शर्मनाक है। देश में कुकुरमुत्तों की तरह न्यूज़ चैनलों की बाढ़ सी आ गई है। इन चैनलों पर प्रतिदिन देश में घटित मुख्य घटनाओं और नेताओं की बयानबाजी पर टीका टिप्पणियों को देखा और सुना जा सकता है। राजनीतिक पार्टियों के चयनित प्रवक्ता और कथित विशेषज्ञ इन सियासी बहसों में अपनी अपनी पार्टियों का पक्ष रखते है। न्यूज़ चैनलों पर इन दिनों जिस प्रकार के आरोप प्रत्यारोप और नफरती बोल सुने जा रहे है उससे लोकतंत्र की धज्जियाँ उड़ते देखा जा सकता है। बड़े बड़े और धमाकेदार शीर्षकों वाली इन बहसों को सुनकर किसी मारधाड़ वाली फिल्मों की यादें जाग्रत हो उठती है। एंकर भी इनके आगे असहाय नज़र आते है। कई बार छीना झपटी, गाली गलौज और मारपीट की नौबत आ जाती है। सच तो यह है जब से टीवी न्यूज चैनलों ने हमारी जिंदगी में दखल दिया है तब से हम एक दूसरे के दोस्त कम दुश्मन अधिक बन रहे है। समाज में भाईचारे के स्थान पर घृणा का वातावरण ज्यादा व्याप्त हो रहा है। बहुत से लोगों ने मारधाड़ वाली और डरावनी बहसों को न केवल देखना बंद कर दिया है अपितु टीवी देखने से ही तौबा कर लिया है। लोगों ने एक बार फिर इलेक्ट्रॉनिक के स्थान पर प्रिंट मीडिया की ओर लौटना शुरू कर दिया है। आज भी अखबार की साख और विश्वसनीयता अधिक प्रामाणिक समझी जा रही है। डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की अपेक्षा आज भी प्रिंट मीडिया पर लोगों की विश्वसनीयता बरकरार है। आज भी लोग सुबह सवेरे टीवी न्यूज़ नहीं अपितु अखबार पढ़ना पसंद करते है। प्रबुद्ध वर्ग का कहना है प्रिंट मीडिया आज भी अपनी जिम्मेदारी का बखूबी निर्वहन कर रहा है। इस समय देश के न्यूज चैनलों और सोशल मीडिया पर नफरत और घृणा के बादल मंडरा रहे है। देश में हर तीसरे महीने कहीं न कहीं चुनावी नगाड़े बजने शुरू हो जाते है। इस साल बिहार में चुनाव होने वाले है। चुनावों के आते ही न्यूज़ चैनलों की बांछें खिल जाती है। चुनावों पर गर्मागरम बहस शुरू हो जाती है। राजनीतिक दलों के नुमाइंदे अपने अपने पक्ष में दावे प्रतिदावे शुरू करने लग जाते है। इसी के साथ ऐसे ऐसे आरोप और नफरत पैदा करने वाली दलीले दी जाने लगती है कि कई बार देखने वालों का सिर शर्म से झुक जाता है। यही नहीं देश में दुर्भाग्य से कहीं कोई घटना दुर्घटना घट जाती है तो न्यूज़ चैनलों पर बढ़चढ़कर ऐसी ऐसी बातों की झड़ी लग जाती है जिन पर विश्वास करना नामुमकिन हो जाता है। इसीलिए लोग इलेक्ट्रॉनिक के स्थान पर प्रिंट मीडिया की विश्वसनीयता को अधिक प्रमाणिक मानते है। इसी कारण लोगों ने टीवी चैनलों पर होने वाली नफरती बहस को देखनी न केवल बंद कर दी अपितु बहुत से लोगों ने टीवी देखने से ही तौबा कर ली।

गंगा जमुनी तहजीब से निकले भारतीय घृणा के इस तूफान में बह रहे हैं। विशेषकर नरेंद्र मोदी के प्रधान मंत्री बनने के बाद घृणा और नफरत के तूफानी बादल गहराने लगे है। हमारे नेताओं के भाषणों, वक्तव्यों और फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाटसएप और ट्विटर जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर सुचिता के स्थान पर नफरत, झूठ, अपशब्द, तथ्यों में तोड़-मरोड़ और असंसदीय भाषा का प्रयोग धड़ल्ले से होता देखा जा सकता हैं। हमारे नेता अब आए दिन सामाजिक संस्कारों और मूल्यों को शर्मसार करते रहते हैं। स्वस्थ आलोचना से लोकतंत्र सशक्त, परंतु नफरत भरे बोल से कमजोर होता है, यह सर्व विदित है। आलोचना का जवाब दिया जा सकता है, मगर नफरत के आरोपों का नहीं। आज पक्ष और विपक्ष में मतभेद और मनभेद की गहरी खाई है। यह अंधी खाई हमारी लोकतान्त्रिक परम्पराओं को नष्ट भ्रष्ट करने को आतुर है। देश में व्याप्त नफरत के इस माहौल को खत्म कर लोकतंत्र की ज्वाला को पुर्नस्थापित करने की महती जरूरत है और यह तभी संभव है जब हम खुद अनुशासित होंगे और मर्यादा की लक्ष्मण रेखा का उल्लंघन नहीं करेंगे।

नजरिया

ट्रंप के बदले तेवर के पीछे की असल कहानी

अशोक भाटिया
मोबाइल : 9221232130

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कब क्या कहेंगे, और उनका अगला कदम क्या होगा, ये किसी को पता नहीं होता। जब से ट्रंप दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बने हैं, तब से वो अपने फैसलों से चौंका रहे हैं। खासकर टैरिफ को लेकर ट्रंप लगातार अपने बयान बदलते रहे हैं। इसी कड़ी में अमेरिका ने एकतरफा फैसला सुनाते हुए भारत पर कुल 50 फीसदी टैरिफ थोप दिया है, जिसका भारत लगातार विरोध कर रहा है। वैसे भारत और अमेरिका के बीच बेहतर कारोबारी रिश्ते हैं, मौजूदा समय में भारत का सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर अमेरिका है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत और अमेरिका के बीच कुल द्विपक्षीय व्यापार (निर्यात और आयात) 131.84 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा। इस दौरान भारत ने अमेरिका को 86.51 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निर्यात किया, और 45.33 बिलियन अमेरिकी डॉलर का आयात किया।लेकिन टैरिफ को लेकर दोनों देशों के बीच थोड़ी दूरियां बढ़ गई हैं। क्योंकि ट्रंप कभी पीएम मोदी को अपना दोस्त बताते हैं और अगले दिन ही व्यापारिक प्रतिबंध बढ़ा देते हैं, इससे रणनीतिक भरोसा कमजोर होता है। इस बीच एक बार फिर डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को अपना दोस्त बताया है और कारोबारी मतभेदों को जल्द दूर करने की बात कही है। अब अचानक भारत को लेकर ट्रंप के रुख में लचीलेपन ते कई कारण बताए जा रहे हैं। क्योंकि हाल ही उन्होंने यूरोपीय संघ (एण) को भारत पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की सलाह दी थी, जबकि इससे इतर वो भारत से ट्रेड समझौते की बात भी कह रहे हैं, उनकी बदलती चाल एक तरह से भारत के लिए चुनौती भी है। जानकारों का कहना है कि भारत को जल्दबाजी में कोई फैसला लेने से बचना चाहिए।

गौरतलब है कि इससे पहले पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने कहा था कि डोनाल्ड ट्रंप की भारत को लेकर अचानक बदली रणनीति के पीछे व्यक्तिगत फैसला हो सकता है, क्योंकि व्यापारिक तौर कुछ भी नहीं बदला है। उन्होंने कहा कि अचानक इस तरह के बयान देकर माहौल को ठंडा किया जा सकता है, और इसका त्वरित लाभ ट्रंप को मिल जाएगा। लेकिन इसके दूरगामी नुकसान भी हैं। हालांकि सिब्बल का मानना है कि शंघाई सहयोग संगठन की बैठक से जारी हुईं तस्वीरों ने व्हाइट हाउस को सोचने के लिए मजबूर कर दिया , जिससे ट्रंप ने अब भारत के प्रति नरम रुख अपनाया है। इस बदलाव को सिब्बल ने एक सकारात्मक संकेत माना है, लेकिन साथ ही चेतावनी भी दी कि यह रुख फिर अचानक बदल सकता है।

चीन ने पिछले हफ्ते द्वितीय विश्व युद्ध के अंत की 80 वीं वर्षगांठ को चिह्नित करने वाली एक सैन्य परेड में अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया था, जिसकी निगरानी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने की थी, जो वाशिंगटन, डीसी में हजारों मील दूर थे, जिन्होंने कहा कि वह चाहते थे कि मैं इसे देखूं, और वह वास्तव में था। अमेरिकी राष्ट्रपति ने तियानमेन स्क्वायर में भव्य समारोह के बारे में विस्तार से नहीं बताया। ट्रम्प और बाकी दुनिया के लिए चीन का संदेश स्पष्ट था: कि दुनिया में एक नया शक्ति केंद्र बन रहा है, जो सौ साल पुरानी अमेरिकी आधिपत्य प्रणाली को चुनौती देने के लिए तैयार है। उस दिन ट्रंप ओवल ऑफिस में पोलैंड के राष्ट्रपति करोल नोवरत्स्की के साथ मुलाकात कर रहे थे। उस समय उन्होंने चीन की सैन्य परेड के बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहा था। चीन के साथ टैरिफ युद्ध के दौरान की घटनाओं के बारे में ट्रम्प के बयान उदासीनता, दुःख और चिंता का मिश्रण थे। ट्रम्प परेड के बारे में बेपरवाह दिखाई दिए और कहा कि चीन दो दर्जन से अधिक राष्ट्राध्यक्षों के सामने चीन के शक्ति प्रदर्शन के बारे में चिंतित नहीं था। हालांकि, चीन द्वितीय विश्व युद्ध में अपने योगदान के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका को श्रेय नहीं देता है। उन्होंने इसकी शिकायत की। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा, ''कृपया पुतिन और किम जोंग उन को मेरी हार्दिक बधाई दें, जबकि आप अमेरिका के खिलाफ साजिश रच रहे हैं। कुल मिलाकर, अन्य देशों का एक साथ आना ट्रम्प को असहज कर रहा है।''

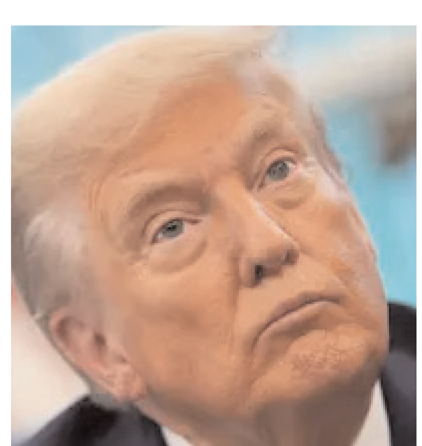

ट्रम्प को परेड और सैन्य शक्ति के प्रदर्शनों के लिए विशेष प्यार है। पिछले महीने उन्होंने अलास्का में रेड कार्पेट पर पुतिन का अभिवादन किया। स्टील्थ बमवर्षकों और अमेरिकी जेट विमानों ने ऊपर से उड़ान भरी। दो महीने पहले, उन्होंने अमेरिकी सेना की 250 वीं वर्षगांठ को चिह्नित करने के लिए वाशिंगटन में एक सैन्य परेड की मेजबानी की। चीन की नवीनतम सैन्य परेड अपने उच्च तकनीक वाले हथियारों और अनुशासित मार्चिंग के लिए जानी जाती थी। यह एक सामान्य घटना थी। द्वितीय विश्व युद्ध में इस्तेमाल किए गए टैंक और क्रांतिकारी युग के सैनिक व्हाइट हाउस के पास कॉन्स्टीट्यूशन एवेन्यू पर इत्मीनान से चल रहे थे। यह ट्रंप के 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' नारे पर आधारित एक यादगार कार्यक्रम था। अमेरिका के गौरवशाली इतिहास और इस घटना पर नजर डालते हुए ट्रंप ने 19वीं सदी के उस समय को याद किया। चीन की सैन्य परेड में अपने भविष्य के हथियारों का प्रदर्शन किया गया और वहां की कम्युनिस्ट सरकार ने यह भी दिखाने की कोशिश की कि चीन ने द्वितीय विश्व युद्ध में फासीवाद और साम्राज्यवाद को हराने में बड़ी भूमिका निभाई थी। उनका दावा है कि अगर उस युद्ध ने तथाकथित 'अमेरिकी सदी' की शुरुआत की है, तो चीन अब एक नई विश्व व्यवस्था बनाने में सफल होगा। कार्यालय में ट्रम्प के पहले सहयोगी रहे रिचर्ड विल्की ने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध में जापान की हार में चीनी राष्ट्रवादी और अमेरिकी सेनाओं का योगदान चीनी कम्युनिस्ट ताकतों के योगदान से अधिक था। इस सप्ताह चीन की सैन्य परेड संयुक्त राज्य अमेरिका के लिए चिंता का एकमात्र कारण नहीं थी। इसके अलावा अमेरिकी नीति निर्माताओं के लिए चिंता के कई अन्य कारण भी थे। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस बीच, चीन-भारत संबंधों में सुधार का एक प्रमुख कारण ट्रम्प द्वारा भारत पर लगाए गए टैरिफ हैं। इसने भारत और अमेरिका के बीच दोस्ती पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। ट्रम्प की 'अमेरिका फर्स्ट' नीति ने दुनिया की आर्थिक और आर्थिक और आर्थिक समस्याओं को प्रभावित किया है। राजनीतिक ध्रुवीकरण बदतर हो गया है। चीन, रूस और भारत, जिन्हें प्रतिद्वंद्वी माना जाता है, इस बात का एक बड़ा उदाहरण हैं कि कैसे देश बदली हुई परिस्थितियों में एक साथ आ सकते हैं।

ट्रंप ने दावा किया है कि उनकी व्यापार नीति अमेरिका को 'दूसरे स्वर्ण युग' में ले जाएगी। लेकिन चाहे वह तियानमेन स्क्वायर में चीनी सैन्य परेड हो या अमेरिकी अदालतें; ट्रंप के टैरिफ से जो खतरा पैदा हुआ है, वह काल्पनिक नहीं, बल्कि वास्तविक है। भारत के रवैये से ट्रंप की चिढ़ बढ़ती जा रही थी और एक तरफ भारत अमेरिका के दबाव के आगे नहीं झुका और दूसरी तरफ अमेरिका अपने देश में कई समस्याओं से घिरा हुआ था।लेकिन अब उन्हें हकीकत का एहसास हुआ कि उन्होंने पहले कहा था कि हमने चीन की वजह से भारत और रूस जैसे दोस्तों को खो दिया है, लेकिन दो दिन के भीतर ही उन्होंने भारत और मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि भारत और अमेरिका के बीच खास रिश्ता है, लेकिन वह हमेशा मोदी के दोस्त रहेंगे, वह एक महान प्रधानमंत्री हैं। इसे भी जोड़ा गया था। ट्रंप का बदला हुआ लहजा भारत की दबाव वाली विदेश नीति का नतीजा लगता है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चार्ली किर्क की हत्या के संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ लिया गया है : ट्रंप

ओरेम (अमेरिका)/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि चार्ली किर्क हत्याकांड में संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ लिया गया है। ट्रंप ने शुक्रवार सुबह फॉक्स न्यूज चैनल पर प्रसारित एक साक्षात्कार के दौरान घोषणा करते हुए कहा, ''अति यकीन के साथ, हमने उसे पकड़ लिया है।'' ट्रंप ने कहा कि एक मंत्री, जो कानून प्रवर्तन से जुड़े हैं, ने संदिग्ध को अधिकारियों के हवाले कर दिया है। ट्रंप ने कहा, ''उसके एक बेहद करीबी व्यक्ति ने कहा, 'यह वही है'।''

किर्क की बुधवार को केवल एक गोली मारकर हत्या कर दी गई, जिसके बारे में पुलिस ने कहा कि यह एक लक्षित हमला था और यूटा के गवर्नर ने इसे राजनीतिक हत्या बताया। किर्क गैर-लाभकारी राजनीतिक संगठन 'टर्निंग पॉइंट यूएसए' के सह-संस्थापक थे और ट्रंप के करीबी सहयोगी थे।

अधिकारियों ने घटनास्थल के पास से एक उच्च-शक्ति वाली राइफल बरामद की थी और कहा था कि गोलीबारी के बाद शूटर छत से कूदकर जंगल की ओर भाग गया। गोलीबारी के समय किर्क यूटा वैली विश्वविद्यालय में टर्निंग पॉइंट द्वारा आयोजित एक परिचर्चा में बोल रहे थे। उन्हें स्थानीय अस्पताल ले जाया गया जहां कुछ घंटों बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। संघीय जांचकर्ताओं और राज्य के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को उस व्यक्ति की तस्वीरें और वीडियो जारी किए थे जिसे वे जिम्मेदार मानते हैं।

किर्क को उस समय गोली मारी गई जब वह ओरेम स्थित यूटा वैली विश्वविद्यालय के एक प्रांगण में एकत्रित भीड़ को संबोधित कर रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि 7,000 से अधिक सुराग और सूचनाएं प्राप्त हुई हैं। अधिकारियों ने अभी तक सार्वजनिक रूप से संदिग्ध का नाम नहीं बताया है और न ही इस हत्या के पीछे का कोई कारण बताया है। किर्क द्वारा सामाजिक मुद्दों पर भाषण देते समय दिनदहाड़े किए गए इस हमले के भयावह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं।

वीडियो में किर्क, जिन्होंने युवा रिपब्लिकन मतदाताओं को एकजुट करने में अहम भूमिका निभाई थी, एक हाथ में माइक्रोफोन लेकर बोलते हुए दिखाई दे रहे हैं, तभी अचानक गोली चलने की आवाज़ आती है।

किर्क अपने दाहिने हाथ को ऊपर की ओर बढ़ाते हैं, जबकि उनकी गर्दन के बाईं ओर से खून बह रहा है। स्तब्ध दर्शक चीखने-चिल्लाने लगते हैं, फिर लोग भागने लगते हैं। अधिकारियों के अनुसार, हमलावर के बारे में जांचकर्ताओं का मानना है कि वह कॉलेज में पढ़ने वाले युवाओं के उम्र का होने के कारण परिसर की भीड़ में घुल-मिल गया था। अधिकारियों ने कहा कि छत से एक गोली चलाई थी। साल्ट लेक सिटी में शीर्ष एफबीआई एजेंट रॉबर्ट बोहल्स ने कहा, ''मैं आपको बता सकता हूं कि यह एक लक्षित घटना थी।'' ट्रंप के साथ डेमोक्रेटिक पार्टी के नेताओं ने भी हिंसा की निंदा की है। ट्रंप ने कहा कि वह किर्क को अमेरिका के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम' से सम्मानित करेंगे।

पटाखों पर प्रतिबंध एनसीआर में ही क्यों? पूरे देश के नागरिक स्वच्छ हवा के हकदार : न्यायालय

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में पटाखों पर प्रतिबंध को चुनिंदा तरीके से लागू करने पर सवाल उठाया और कहा कि अगर स्वच्छ हवा राष्ट्रीय राजधानी के 'कुलीन' निवासियों का अधिकार है, तो यह पूरे देश के नागरिकों को भी मिलना चाहिए।

प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पटाखों के विनियमन से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी।

प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''अगर एनसीआर के शहर स्वच्छ हवा के हकदार हैं, तो दूसरे शहरों के लोग क्यों नहीं?... जो भी नीति होनी चाहिए, वह अखिल भारतीय स्तर पर होनी चाहिए। हम केवल इसलिए दिल्ली के लिए नीति नहीं बना सकते कि वे देश के कुलीन नागरिक हैं।'' उन्होंने कहा, ''मैं पिछली सर्दियों में अमृतसर में था और वहां प्रदूषण दिल्ली से भी बदतर था। अगर पटाखों पर प्रतिबंध लगाना है, तो उन्हें पूरे देश में प्रतिबंधित किया जाना चाहिए।''

न्याय मित्र, वरिष्ठ अधिवक्ता अपराजिता सिंह ने कहा, ''कुलीन वर्ग अपना ख्याल खुद रखता है। प्रदूषण होने पर वे दिल्ली से बाहर चले जाते हैं।''

पीठ ने केंद्र की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग से इस मुद्दे पर एक विस्तृत रिपोर्ट प्राप्त करने को कहा।

विधि अधिकारी ने कहा कि राष्ट्रीय पर्यावरण आभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (नीरी) प्रदूषण कम करने के लिए 'हरित पटाखों' की व्यवहार्यता की जांच कर रहा है।

पटाखा निर्माताओं की ओर से पेश वकील ने नीरी को अनुमेय रासायनिक संरचना निर्धारित करने का सुझाव दिया, जिसे उद्योग पटाखों के डिजाइन में शामिल कर सके। हालांकि, कुछ पक्षों का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता के. परमेश्वर ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रतिबंधों के साथ-साथ, अधिकारी उनके मौजूदा लाइसेंस भी रद्द कर रहे हैं। पीठ ने टिप्पणी की कि अधिकारियों द्वारा पटाखों के लाइसेंस रद्द करने के संबंध में यथास्थिति बनी रहेगी और उन्होंने मामले की सुनवाई 22 सितंबर के लिए स्थगित कर दी।

लोगों को डर है कि अगर भारत मजबूत हुआ तो उनका क्या होगा? इसीलिए लगाया जा रहा 'टैरिफ' : भागवत

नागपुर/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि भारत पर 'टैरिफ' इस डर से लगाया गया है कि अगर यह देश मजबूत हो गया तो उनके साथ क्या हो सकता है। उन्होंने किसी देश का नाम लिए बिना कहा, ''ऐसे कदम आत्मकेंद्रित दृष्टिकोण का परिणाम हैं।''

वह नागपुर में ब्रह्माकुमारीज विश्व शांति सरोवर के सातवें स्थापना दिवस पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा, ''दुनिया के लोग इस बात से भयभीत हैं कि अगर भारत मजबूत हुआ तो उनके साथ क्या होगा और उनकी स्थिति क्या होगी। इसीलिए भारतीय वस्तुओं पर 'टैरिफ' लगाए गए हैं। लेकिन हमने कुछ नहीं किया। जब आप सात समुद्र दूर हैं और कोई संपर्क नहीं है, तो डर क्यों?''अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत 'टैरिफ' लगाया है, जिसमें रूस से तेल खरीद पर 25 प्रतिशत दंडात्मक शुल्क भी शामिल है। भारत ने इसे ''अनुचित और अविवेकपूर्ण'' करार दिया है।भागवत ने कहा, ''जब तक मनुष्य और राष्ट्र अपने वास्तविक स्वरूप को नहीं समझेंगे, तब तक वे समस्याओं का सामना करते रहेंगे। अगर हम करुणा दिखाएं और भय पर विजय पाएं, तो हमारा कोई शत्रु नहीं रहेगा।''आरएसएस प्रमुख ने कहा कि अगर मनुष्य अपना रवैया ''मैं'' से ''हम'' में बदल लें तो सभी मुद्दे सुलझ जाएंगे। उन्होंने कहा, ''आज दुनिया समाधान खोज रही है, क्योंकि अपनी अधूरी दृष्टि के कारण वह आगे बढ़ने का रास्ता नहीं खोज पा रही है। ''सिर्फ़ मैं'' के दृष्टिकोण के कारण उनके लिए रास्ता खोजना असंभव है।''

भागवत ने कहा कि भारत विश्व की समस्याओं का समाधान ढूंढ़ने और आगे का रास्ता दिखाने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि भारत महान है और भारतीयों को भी महान बनने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत बड़ा है तथा वह और बड़ा होना चाहता है। भागवत ने कहा कि भारतीयों में अपनेपन की प्रबल भावना होती है और वे अभाव के समय में भी खुश और संतुष्ट रहते हैं। उन्होंने कहा, ''कोई कमी नहीं होनी चाहिए, लेकिन अगर है भी, तो समय आने पर बदल जाएगी। फिर भी, कठिनाई और दुःख में भी, यहां के लोग इसी अपनत्व की भावना के कारण संतुष्ट रहते हैं।''

महिलाओं द्वारा संचालित आध्यात्मिक आंदोलन ब्रह्माकुमारीज की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि आरएसएस भी आंतरिक चेतना को जागृत करने के लिए उन्हीं की तरह काम करता है।

अदा शर्मा ने शेयर की अपनी सीक्रेट डाइट

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री अदा शर्मा को उनकी फिटनेस और ग्लोइंग स्किन के लिए भी लोग फॉलो करते हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में एक वीडियो में अपनी चमकदार त्वचा का राज लोगों के साथ साझा किया। उन्होंने बताया कि वह अपनी त्वचा को हेल्दी रखने के लिए क्या खाती हैं। इस वीडियो क्लिप को अदा शर्मा ने शेयर करते हुए लिखा, मेरा स्किनकेयर फॉर्मूला कौन ट्राई करेगा? इस वीडियो में वो गाजर से बनी एक खास रेसिपी लोगों के साथ शेयर करती दिख रही हैं।

इसे वो अपने हाथों से बनाती दिखाई दे रही हैं। खास बात है कि यह व्यंजन उन्हें सोशल मीडिया पर रील्स देखते हुए मिला था। वीडियो में अदा शर्मा कहती हैं, मैंने इंस्टाग्राम रील्स पर यह हेल्दी रेसिपी देखी। इसके लिए आपको ढेर सारी गाजर चाहिए। गाजर अच्छे से धोने के बाद उसे छील लें। फिर उसके एकदम पतले-पतले टुकड़े बना लें। इसमें थोड़ा समय लगता है, लेकिन अगर आपके पास इंस्टाग्राम स्क्रॉल करने के लिए 6 घंटे हैं, तो इसके लिए 10 मिनट काफी हैं।''

इसके बाद वो रेसिपी भी बताती हैं। अदा कहती हैं, एक चम्मच शहद, सरसों का तेल, नमक और थोड़ा सा लाल मिर्च पाउडर मिलाएं और एक नींबू। उसके ऊपर तिल डालें और इसे मिलाकर खाएं। इसे खाने के बाद आप मजबूत हो जाएंगे। आपकी त्वचा चमक उठेगी। सबके साथ शेयर करना न भूलें। कुछ दिनों पहले उन्होंने अपने गृह राज्य केरल में छुट्टियां मनाते हुए तस्वीरें पोस्ट की थीं। यहां पर वो ओणम का त्योहार मनाने गई थीं। इस यात्रा के दौरान वो अपनी सभी मौसियों के यहां एक-एक दिन ठहरी थीं।

अभिनेत्री ने उस दौरान रंगोली बनाना भी सीखा और बदले में उन्हें एआई की मदद से तस्वीरों में रंग भरना सिखाया। वर्क फ्रंट की बात करें तो वो आने वाले दिनों में दो हॉरर हिंदी फिल्मों में नजर आएंगी। इनमें से एक में अदा शर्मा एक 'सुपरहीरो' की भूमिका निभाएंगी। वहीं, दूसरी दक्षिण भारतीय फिल्म है। इसमें वो एक 'देवी' का किरदार निभाएंगी। इसके अलावा, वह अपने सुपरहिट सीरीज 'रीता सान्याल' के सीजन दो में भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।

फिल्म 'परम सुंदरी' ने दुनिया भर में 80 करोड़ रुपये की कमाई की

मुंबई/भाषा

अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर अभिनीत फिल्म 'परम सुंदरी' ने अब तक विश्वभर में 80 करोड़ रुपये की कमाई की है। निर्माताओं ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। यह फिल्म 29 अगस्त को रिलीज की गई थी। फिल्म का निर्देशन तुषार जलोटा ने किया है और दिनेश विजन की मैडॉक फिल्म्स ने इसका निर्माण किया है।

एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, अन्य फिल्मों से प्रतिस्पर्धा, गणपति उत्सव और उत्तर भारत में आई बाढ़ जैसी चुनौतियों के बावजूद फिल्म दर्शकों की पहली पसंद बनी हुई है। मल्होत्रा ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर फिल्म की कमाई के आंकड़े साझा किए। उन्होंने लिखा, ''आपके प्यार ने इस सफर को खास बना दिया है। 'परम सुंदरी' को प्यार देने के लिए धन्यवाद।''

साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, फिल्म ने 13 दिनों में विश्वभर की टिकट खिड़की पर 80 करोड़ रुपये की सकल कमाई की है। भारत में फिल्म ने 51.74 करोड़ रुपये की शुद्ध कमाई की है। इस फिल्म में मल्होत्रा ने परम का किरदार निभाया है, जो एक धनी निवेशक है और ''मैट्रिमोनियल ऐप'' की मदद से सुंदरी (जाह्नवी कपूर) से मिलता है।

निर्माताओं ने एक बयान में कहा, ''फिल्म ने सभी बाधाओं के बावजूद बेहतरीन प्रदर्शन किया है और विदेशी बाजारों में भी अपनी सफलता का परचम लहराया।'' फिल्म का संगीत भी दर्शकों को पंसद आया है और 'परदेसिया', 'डेंजर' तथा 'भीगी भीगी' जैसे गाने धूम मचा रहे हैं।

रूश सिंधु ने जीता 'मिस इंटरनेशनल इंडिया 2025' का ताज

मुंबई/एजेन्सी

नागपुर शहर की होनहार मॉडल रूश सिंधु ने प्रतिभा और मेहनत के दम पर 'मिस इंटरनेशनल इंडिया 2025' का खिताब अपने नाम कर लिया है। इस शानदार उपलब्धि के साथ वे अब भारत का प्रतिनिधित्व 'मिस इंटरनेशनल 2025' प्रतियोगिता में करेंगी, जो 27 नवंबर को जापान की राजधानी टोक्यो में आयोजित होगी। रूश की यह जीत न केवल उनके लिए, बल्कि पूरे नागपुर और देश के लिए गर्व का पल है। रूश सिंधु ने इससे पहले 'मिस यूनिवर्स इंडिया 2025' में टॉप-6 फाइनलिस्ट में जगह बनाई थी। उनकी मेहनत, आत्मविश्वास और आकर्षक व्यक्तित्व ने उन्हें इस ऊंचाई तक पहुंचाया। नागपुर लौटने पर उनका जोरदार स्वागत हुआ, जिसमें परिवार, दोस्त और प्रशंसक शामिल थे। इस मौके पर रूश ने अपनी खुशी और भावनाएं भी व्यक्त कीं।

उन्होंने कहा, मैं बहुत खुश और आभारी हूं। यह मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा है। मुझे देश और दुनिया भर से मिल रहे प्यार और समर्थन ने भावुक कर दिया। आप सभी का साथ मेरे लिए अनमोल है। यह पहली बार है, जब मैं ताज जीतने के बाद अपने परिवार से मिल रही हूं। अपने माता-पिता और अपनों के बीच होना बहुत खास है। भारत का प्रतिनिधित्व करना सपना था। अब मैं इसे जी रही हूं। रूश ने कहा, हर प्रतियोगिता में चुनौतियां होती हैं, लेकिन सही तैयारी ही सफलता की कुंजी है। हमें हर पहलू पर ध्यान देना होता है, ताकि हम एक संपूर्ण व्यक्तित्व के रूप में उभर सकें। मेरी कोशिश यही है कि मैं हर चुनौती के लिए पूरी तरह तैयार रहूं। उन्होंने कहा, मानसिक स्वास्थ्य पर खुलकर बात करना बेहद जरूरी है। कोविड-19 महामारी ने हमें यह सिखाया कि अपनी भावनाओं को समझना और व्यक्त करना कितना महत्वपूर्ण है। मैंने मनोविज्ञान में पांच साल तक अध्ययन किया है, जिससे मुझे भावनात्मक बुद्धिमत्ता की गहराई समझ में आई। अगर हम अपने मन को समझें, तो हम उसका सही उपयोग कर सकते हैं।

उन्होंने यह भी कहा, हर उस लड़की को, जो मॉडलिंग या ब्यूटी पेजेंट में हिस्सा लेना चाहती है, मैं यही कहूंगी कि अपने माता-पिता का समर्थन जरूर लें। अपने देश का प्रतिनिधित्व करना एक अनमोल अनुभव है। खुद पर भरोसा करना सबसे जरूरी है। अगर आप खुद पर यकीन करेंगी, तो आपका परिवार और पूरी दुनिया आपका साथ देगी। रूश केवल ब्यूटी पेजेंट तक सीमित नहीं हैं। वे सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय हैं और खासकर मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता और महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए काम कर रही हैं।

घोषणा पत्र

भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) ने शुक्रवार को नई दिल्ली स्थित एनएसयूआई मुख्यालय में एनएसयूआई उम्मीदवारों जोसलिन नंदिता चौधरी, राहुल झांसला , कबीर , लव कुश बधाना के साथ एक संवाद सत्र में पार्टी का घोषणापत्र जारी किया।

धरना

पश्चिम बंगाल के वन मंत्री बीरबाहा हांसदा गुरुवार को कोलकाता के धर्मतला में भाजपा के बंगाल विरोधी रुख के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस के धरने में शामिल हुए।

डायना पेंटी ने बताया, 'डू यू वाना पार्टनर' शो में उन्हें क्या सबसे ज्यादा भाया

मुंबई/एजेन्सी

वेब सीरीज 'डू यू वाना पार्टनर' बहुत जल्द ओटीटी पर रिलीज होने वाली है। इसमें डायना पेंटी, तमन्ना भाटिया, श्वेता तिवारी, जावेद जाफरी, नकुल मेहता, नीरज काबी, सूफी मोतीवाला और रणविजय सिंह जैसे सितारे हैं। 'डू यू वाना पार्टनर' की रिलीज से पहले डायना पेंटी ने आईएएनएस से खास बातचीत की। इस दौरान उन्होंने सीरीज की खासियत के बारे में बताया। डायना ने यह भी रिवील किया कि उन्होंने इस सीरीज को क्यों चुना। अभिनेत्री ने बताया कि इसकी स्क्रिप्ट को सुनने के बाद काफी आकर्षित हुईं। डायना पेंटी ने आईएएनएस से कहा, दोनों लड़कियों की दोस्ती ने मुझे अपनी ओर आकर्षित किया। मेरे मन में पहला ख्याल यही आया कि मैं रियल लाइफ में ऐसा करती। मुझे लगा कि यह बहुत ही खूबसूरती से लिखा गया है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह बहुत ही वास्तविक है। मैं भी अपनी सबसे अच्छी दोस्त के साथ ऐसे ही बातचीत करती या बस वे चीजें करती, जो इसमें लिखी थीं। कुछ भी बढ़ा-चढ़ाकर नहीं लिखा गया था। बस बहुत ही रोजमर्रा की और बहुत ही वास्तविक कहानी, जिस तरह से वे साथ घूमती हैं, साथ में पार्टी करती हैं। उन्होंने साथ मिलकर एक व्यवसाय शुरू किया है, उनकी कठिनाइयां, झगड़े, बहस, सब कुछ बिल्कुल स्वाभाविक था और हमारी दोस्ती में जो हम देखते हैं, उसके बिल्कुल अनुरूप था।

'डू यू वाना पार्टनर' में दो सहेलियों की कहानी है, जो खुद का अल्कोहल ब्रांड लॉन्च करने के लिए पार्टनर बन जाती हैं। डायना ने आगे कहा, यह मेरे लिए एक ताजगी भरी बात थी क्योंकि मुझे नहीं लगता, मेरा मतलब है कम से कम मुझे तो ऐसा नहीं लगता, मैं हाल ही में किसी ऐसे शो या फिल्म के बारे में नहीं सोच सकती, जिसमें दो लड़कियां हैं, दो लड़कियों की दोस्ती शो या फिल्म का मुख्य पहलू हो। यह तथ्य कि दोनों लड़कियां ऐसे युग में यह नया बिजनेस शुरू कर रही हैं, जहां स्टार्टअप ही सब कुछ है। पिछले कुछ समय में स्टार्टअप कल्चर बहुत तेजी से बढ़ा है। इसलिए यही सब बातें थीं, जिन्होंने मुझे वास्तव में इस स्क्रिप्ट की ओर आकर्षित किया। सीरीज 'डू यू वाना पार्टनर' 12 सितंबर को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।

पापोन का एल्बम 'तू मेरी पूरी कहानी' हुआ रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

जानेमाने गायक पापोन का एल्बम तू मेरी पूरी कहानी रिलीज हो गया है। पापोन ने एक बार फिर फिल्म तू मेरी पूरी कहानी के लिए अपने नवीनतम एल्बम के साथ श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया है। पापोन और संगीतकार अनु मलिक इस बार तू मेरी पूरी कहानी के लिए फिर से साथ आए हैं, जो समीक्षकों द्वारा प्रशंसित मोह मोह के धागे के बाद उनका दूसरा शानदार सहयोग है। एल्बम में छह दिल छू लेने वाले ट्रैक तू मेरी पूरी कहानी, भूलने की तुमको ,कौन है वो ,अब जब कि तू नहीं है , कुछ तो है वो और ये इश्क है शामिल है। अनु मलिक द्वारा रचित संगीत और श्वेता बोथरा द्वारा लिखे गए बोलों वाला यह एल्बम प्रेम और लालसा की एक शाश्वत तस्वीर पेश करता है। पापोन ने कहा, मोह मोह के धागे की सफलता के बाद अनु मलिक जी के साथ फिर से काम करना बेहद आनंददायक रहा है। उनकी रचनाओं में एक शाश्वत जादू है, और तू मेरी पूरी कहानी में उनके साथ फिर से काम करना वाकई एक प्यारा अनुभव रहा है। मैं इस बात से बहुत प्रभावित हूँ कि लोग इन शांत, भावपूर्ण गानों को कितना पसंद कर रहे हैं । यह इस बात को पुष्ट करता है कि दिल को छू लेने वाला संगीत हमेशा गूंजता रहता है। यह एल्बम मेरे दिल में एक खास जगह रखता है, और मुझे इस खूबसूरत संगीतमय यात्रा का हिस्सा बनने पर गर्व है।

सफलता के शॉर्टकट पर मैंने कभी भरोसा नहीं किया : शीना चौहन

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री शीना चौहान का कहना है कि सफलता के लिये शॉर्टकट पर उन्होने कभी भरोसा नहीं किया है। शीना चौहान का फिल्मी सफर किसी रातों-रात मिली सफलता की कहानी नहीं है, बल्कि यह उनकी लगन, जुनून और अपने काम के प्रति अटूट समर्पण पर आधारित है। अरविंद गौड़ के निर्देशन में पांच वर्षों के गहन रंगमंच प्रशिक्षण से उन्होंने वह अनुशासन और प्रामाणिकता विकसित की, जिसने उनके करियर की नींव रखी। बचपन में पिता को खोने के बाद एक सिंगल मदर द्वारा पाली गई शीना ने बिना किसी गॉडफादर के उद्योग में अपना रास्ता खुद बनाया। उनका फिल्मी सफर साउथ इंडस्ट्री में मम्मुट्टी के साथ डेब्यू से शुरू हुआ, फिर बांग्ला सिनेमा में बुद्धदेब दासगुप्ता के साथ, और आगे बढ़ते हुए अंतरराष्ट्रीय स्वतंत्र फिल्मों तक पहुँचा, जहाँ उन्हें बेस्ट एक्ट्रेस के लिए नामांकन मिला और उनकी फिल्में नेटफ्लिक्स पर रिलीज़ हुईं।उनकी मेहनत और समर्पण ने उन्हें काजोल और माधुरी दीक्षित जैसी दिग्गजों के साथ काम करने का अवसर दिया। हाल ही में उन्होंने अपने हिंदी डेब्यू संत तुकाराम में सुबोध भावे के साथ मुख्य भूमिका निभाई । एक किरदार जिसे उन्होंने उसी जुनून, समर्पण और गहराई से निभाया, जो उनके पूरे सफर की पहचान है। शीना चौहान ने कहा,मेरे लिए हर भूमिका एक नया संसार है जिसमें मैं पूरी तरह डूब जाती हूँ। सफलता के शॉर्टकट पर मैंने कभी भरोसा नहीं किया।

RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

राष्ट्रीय शाकद्वीपीय ब्राह्मण महासंघ के तत्वावधान में प्रथम राष्ट्रीय खेल उत्सव 'सुनील शर्मा चैम्पियन्स कप' का शुक्रवार को शहर के कोरमंगला स्थित सेंट जॉन्स खेल मैदान में शुभारंभ हुआ।

मनुष्य की सांप्रदायिक मानसिकता ही होती है घातक : आचार्य विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में गुरुवार को पार्श्व बुद्धि वीर वाटिका में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीजी ने कहा कि मनुष्य की सांप्रदायिक मानसिकता बहुत खतरनाक होती है। बुद्धि से जड़, जिद्दी और गुस्सेल प्रकृति के लोग ही सांप्रदायिक कट्टरता के हिमायती होते हैं। ऐसे लोगों को शुद्ध धर्मतत्व की शांति, समत्व, सद्भाव, सौहार्द और मैत्रीपूर्ण बातों से कोई वास्ता नहीं होता। वे अपने स्वीकृत पंथ-संप्रदाय के झंडे उठाने और उसके लिए लड़ने, मरने-मिटने को सदैव तत्पर रहते हैं। ऐसे लोगों को पाप, अपराध और भगवान से भी डर नहीं लगता। दुनिया में ज्यादातर लोग पंथ-संप्रदायों की कट्टरता में ही उलझे हुए होते हैं। बहुत कम लोग होते हैं जो किसी संप्रदाय विशेष की मान्यता के होते हुए भी शांत, शालीन और सामंजस्य पूर्ण जीवन जीते हैं। धर्म-संप्रदायों के प्रचारक साधु, संत, स्वामी, मौलाना, बिशप, पादरी, भिक्षु, गुरु आदि भी ज्यादातर ऐसे होते हैं जो धर्म की बड़ी-बड़ी बातें तो करते हैं, लेकिन उनमें से बहुतों की शिक्षाएं अधर्म और अशांति की होती हैं। ऐसी सब हरकतें मानवता के लिए अत्यंत घातक हैं। यही कारण है कि आज संसार में 600 से अधिक धर्म-संप्रदाय, पंथ-मान्यताएं होते हुए भी लोग सुख-शांति से जीवनयापन नहीं कर पा रहे। ङ्गजैनाचार्य ने कहा कि पंथ-संप्रदाय की कट्टरता से जकड़े हुए लोग न शांति से जी पाते हैं और न ही शांति से मर पाते हैं। ऐसे लोग सदैव उहापोह में रहते हैं। वे मानवता के मसीहा नहीं, कलंक होते हैं। ऐसे लोगों के लिए स्वर्ग और जन्नत में कहीं जगह नहीं होती। सामान्यतया ऐसे लोग ही मरकर नरक और जहन्नुम में जाते हैं। जो गलत मार्ग पर जा रहे मनुष्य को धारण कर, बचा कर उसे अच्छे मार्ग पर आगे बढ़ाता है, वह धर्म कहलाता है।शुक्रवार को स्थानीय जीरावला पार्श्वनाथ सभागृह में मुंबई की दीक्षार्थी दीपिका पालरेचा का जैन संघ की ओर से अभिनंदन किया गया। उससे पूर्व महावीर सोसाइटी से दीक्षार्थी की शोभायात्रा निकाली गई। इस अवसर पर गणि पद्मविमलसागरजी ने कहा कि जैनदीक्षा पाप-अपराधों से दूर रहते हुए शुद्ध अहिंसक, सात्विक जीवन जीने की साधना पद्धत्ति है। संघ के अध्यक्ष पंकज बाफना ने बताया कि दोपहर को जीतो की महिला शाखा की ओर से महिलावर्ग की सुरक्षा के लिए आत्मनिर्भर कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में कन्याओं और युवतियों ने इसमें भाग लिया। प्रोफेशनल महिला ट्रेनरों ने उन्हें कराटे, लाठी आदि का प्रशिक्षण दिया।

जेबीएन वी कनेक्ट महिला व्यवसाय रेफ़रल समूह की चौथी बैठक आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो स्वयं जेबीएन वी कनेक्ट महिला व्यवसाय रेफ़रल समूह की चौथी टेन्योर बैठक का आयोजन नॉर्थ कार्यालय में हुई जिसमें लेडीज विंग की अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना, मुख्य सचिव रक्षा छाजेड़ एवं जेबीएन की संयोजिका तनुजा मेहता, मोना आंचलिया, सारिका जैन एवं अन्य सदस्याएं शामिल हुई। बैठक में सकारात्मक सोच-व्यवहार, डिजिटल मार्केटप्लेस निक्की मार्ट आदि विषयों पर चर्चा हुई। बैठक में रेफ़रल हेड मीना जैन, रेफरल लीड लीला पितलिया व रेफरल सचिव सीए सुखदेवी जैन ने जानकारी दी। सभी सदस्याओं ने मंच पर आकर 60-सेकेंड पिच के माध्यम से अपने व्यवसाय का परिचय दिया। कार्यक्रम के अंतर्गत डोर प्राइज़ में सर्वश्रेष्ठ परिधान का सम्मान मोक्षा सोलंकी को, सर्वश्रेष्ठ 30 सेकेंड पिच का पुरस्कार शीतल झावेरी को तथा सर्वाधिक व्यवसाय का पुरस्कार सुमन रांका को प्रदान किया गया। लक्ष्मी बाफना ने जीतो जेवर एक्सपो एवं दि ब्राइडल स्टोरी प्रदर्शनी के सफल आयोजन के सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ के सदस्य गुरु दर्शन यात्रा पर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ के अध्यक्ष निर्मल बम्ब के नेतृत्व में 10 दिनों की यात्रा पर गुरु दर्शन यात्रा का शुभारंभ हुआ। उपाध्यक्ष सज्ञनराज मेहता ने बताया कि संघ बीजापुर, मुम्बई, भीलवाड़ा, ब्यावर, सोजत, जोधपुर, पाली में चातुर्मासार्थ विराजित संत सतीवृन्दों की सेवा, सुश्रुषा, प्रवचन एवं स्वाध्याय का लाभ लेंगे। मंत्री भरत सांखला ने बताया कि आचार्यश्री से बेंगलूरु और कर्नाटक में चातुर्मास के लिए निवेदन किया जाएगा। शुक्रवार को गुरु दर्शन यात्रा के सदस्यों ने बीजापुर में विराजित साध्वीश्री संगीताजी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। संघ के उपाध्यक्ष गौतमचंद ओस्तवाल ने बेंगलूरु चातुर्मास, मैसूर संघ के बुधमल बागमार ने शेष काल के लिए निवेदन किया। महिला अध्यक्षा प्रभा गुलेच्छा व श्राविका मंडल ने सामूहिक गीत प्रस्तुत किया।

गणेश उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के विभिन्न हिंदू संगठनों द्वारा हंपी नगर चौराहे पर आयोजित गणेश उत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने भगवान गणेश के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।

जिसका उदय होता है उसका अस्त भी होता है : संतश्री ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संत ज्ञानमुनिजी ने कहा कि जिसका उदय होता है उसका अस्त भी होता है। जो पकता है, वो गिरता है। असत्य जहां है वहां भय है। जैसे अपना पैर अपना जूता पहचान लेता है। अपनी आंखें भी सभी को पहचान लेती हैं। चोर भी दूसरे चोर को पहचान लेता है। वैसे ही कर्मों का खेल होता है। जिसने किया है उसको ही मिलेगा। मनुष्य का कर्म उसको कभी नहीं छोड़ेगा। जिसकी जो आदत पड़ जाती है वह कभी नहीं छूटती है। मनुष्य की आदत ही उसको अच्छा बुरा बनाती है। अगर मनुष्य की आदत धर्म आराधना में लगेगी तो उसका कल्याण हो जाएगा। लेकिन बुरे काम में आदत होना जीवन बेकार कर देता है। मनुष्य को जागने से अच्छा सचेत होना बहुत जरूरी है। मनुष्य को हमेशा अलर्ट रहना चाहिए। प्रकृति कभी एक चीज लेती है तो दूसरी चीज दे देती है। अगर कोई नेत्रहीन है तो उसको कुछ विशेष ही मिलता है। किसी की एक इंद्री कमजोर है तो दूसरी इंद्रियां मजबूत होती हैं। शुभ कर्म का उदय जब होता है तो दुश्मन भी शीश झुकाते हैं। शुभ कर्मों का उदय होने पर घृणा करने वाला भी पूजने लगता है। शुभ कर्मों की महिमा बहुत प्यारी होती है। शुभ कर्मों का उदय होते ही मामला ही बदल जाता है। कर्मों के हिसाब से राजा रंक और रंक राजा बन जाता है, इसलिए कहते हैं कि किए हुए कर्मों का भुगतान करना ही होगा। मनुष्य का कर्म हर वक्त उसका अनुसरण कर रहा है। कर्म किसी को भी नहीं छोड़ता है। सभा में संयोजक नेमीचंद लुकड़ ने सभी का स्वागत किया। संचालन करते हुए महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी।

अमेरिका में पत्नी और बेटे के सामने कर्नाटक मूल के व्यक्ति का सिर कलम किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/ह्यूस्टन। अमेरिका के टेक्सास राज्य में वॉशिंग मशीन को लेकर हुए विवाद के बाद 50 वर्षीय भारतीय मूल के होटल प्रबंधक का उसकी पत्नी और बेटे के सामने सिर कलम कर दिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। आपराधिक इतिहास वाले संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया है जो मृत होटल प्रबंधक का सहकर्मी है। यह घटना बुधवार सुबह डलास के 'डाउनटाउन सुइट्स' होटल में हुई।

डलास पुलिस विभाग के अनुसार, मूल रूप से कर्नाटक निवासी चंद्र मौली 'बॉब' नागमल्लैया की, उसके सहकर्मी योर्डानिस कोबोस-मार्टिनेज (37) के साथ खराब वॉशिंग मशीन को लेकर हुए विवाद के बाद हत्या कर दी गई। कोबोस कथित तौर पर उस समय आपा खो बैठा, जब नागमल्लैया ने उससे सीधे बात करने के बजाय किसी अन्य व्यक्ति से उनके निर्देशों का अनुवाद करने को कहा। सीसीटीवी फुटेज में कोबोस को एक चाकू निकालते और नागमल्लैया पर हमला करते हुए देखा गया है।

पुलिस ने अदालत में एक हलफनामे में कहा कि इसके बाद पीड़ित होटल कार्यालय की ओर भागा, जहां उसकी पत्नी और 18 वर्षीय बेटा मौजूद थे। नागमल्लैया की पत्नी और बेटे ने कई बार बीच-बचाव की कोशिश की लेकिन कोबोस ने उन्हें धक्का दे दिया और हमला करता रहा। इसमें कहा गया है कि ''आरोपी ने नागमल्लैया पर फिर से हमला करने से पहले उसकी जेब से मोबाइल फोन आदि निकाल लिए और तब तक उस पर वार करता रहा जब कि उसका सिर धड़ से अलग नहीं हो गया।''

पुलिस ने बताया, ''इसके बाद संदिग्ध ने नागमल्लैया के सिर को पार्किंग क्षेत्र में दो बार लात मारी और फिर उसे उठाकर कूड़ेदान में डाल दिया।'' उन्होंने कहा कि यह अपराध ''सोच से परे'' है। अगर कोबोस दोषी पाया जाता है तो उसे बिना पैरोल के उम्रकैद या मौत की सजा सुनायी जा सकती है। आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार, उसे फ्लोरिडा में कार चोरी के आरोप में दो बार गिरफ्तार किया जा चुका है और ह्यूस्टन में एक बच्चे के साथ अभद्रता और मारपीट के आरोप में भी गिरफ्तार किया जा चुका है। रिकॉर्ड में उस पर आव्रजन रोक का भी उल्लेख है। अधिकारियों ने बताया कि क्यूबा निर्वासित करने के लिए उड़ानों की कमी के कारण कोबोस को इस वर्ष की शुरुआत में निगरानी में रहने की शर्त के साथ रिहा कर दिया गया था। ह्यूस्टन स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने नागमल्लैया की मौत पर शोक व्यक्त किया और कहा कि वह इस मामले पर कड़ी नज़र रख रहा है। दूतावास ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''हम परिवार के संपर्क में हैं और हरसंभव सहायता प्रदान कर रहे हैं। आरोपी डलास पुलिस की हिरासत में है।'' महावाणिज्य दूत डी. सी. मंजूनाथ ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि दूतावास पीड़ित परिवार को अपनी ओर से पूरी सहायता प्रदान कर रहा है। दोस्तों और परिवार के बीच बॉब के नाम से मशहूर नागमल्लैया को उनके प्रियजनों ने श्रद्धांजलि दी। उनके मित्रों ने कहा, ''यह अकल्पनीय त्रासदी है और बेहद दर्दनाक घटना है।'' नागमल्लैया के मित्र, परिवार और स्थानीय भारतीय पीड़ित परिवार की मदद के लिए आगे आ रहे हैं।

बेंगलूरु एफसी ने 'सेंटर ऑफ स्पोर्ट्स एक्सीलेंस' में नई अभ्यास सुविधा का अनावरण किया

बेंगलूरु। बेंगलूरु एफसी ने अपने अत्याधुनिक 'सेंटर ऑफ स्पोर्ट्स एक्सीलेंस' के उद्घाटन की घोषणा की जो भारत में विश्व स्तरीय फुटबॉल के बुनियादी ढांचा विकसित करने की दिशा में इस क्लब के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। क्लब ने एक बयान में कहा कि 2025-26 सत्र से पहले फिर से एकजुट होने वाली उनकी टीम भारत के पहले 'हाइब्रिड' प्रशिक्षण पिच पर अपनी तैयारी शुरू करेगी। 'हाइब्रिड' पिच को प्राकृतिक और सिंथेटिक घास के मिश्रण से तैयार किया जाता है और यह पूरे साल स्थिरता और टिकाऊपन सुनिश्चित करती है।

इस केंद्र में हाइब्रिड पिच के साथ पूरी तरह से सुसज्जित व्यायामशाला (जिमनेजियम) और दो ड्रेसिंग रूम भी है जो टीम को अभ्यास के दौरान मैच का माहौल प्रदान करते है। इसमें खिलाड़ियों की थकान को मिटाने और तरोताजा करने के लिए आइस-बाथ की सुविधा के साथ रिकवरी रूम भी है। क्लब के मालिक पार्थ जिंदल ने कहा, ''भारतीय फुटबॉल उथल-पुथल से गुजर रहा है और इसके बावजूद बेंगलूरु एफसी की यह पहल खेल के विकास के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। भारतीय टीम ने सीएएफए नेशंस कप से पहले इसी केंद्र में अभ्यास किया था। हम आशा करते हैं कि भविष्य में भी यह स्थल भारतीय टीम के लिए पसंदीदा प्रशिक्षण स्थल बनेगा।''

शाकद्वीपीय ब्राह्मण समाज के पहले राष्ट्रीय खेल महाकुंभ का हुआ आगाज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। राष्ट्रीय शाकद्वीपीय ब्राह्मण महासंघ के तत्वावधान में प्रथम राष्ट्रीय खेल उत्सव 'सुनील शर्मा चैम्पियन्स कप' का शुक्रवार को शहर के कोरमंगला स्थित सेंट जॉन्स खेल मैदान में शुभारंभ हुआ। समाज के राष्ट्रीय प्रमुख सुनील शर्मा, चंद्रा शर्मा एवं संतोष शर्मा द्वारा भगवान भास्कर के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन एवं पूजा के बाद खेल मशाल जलाकर कर खेल उत्सव का आगाज किया गया । कार्यक्रम सभी टीमों एवं स्थानीय एनसीसी कैडेटस ने शानदार सलामी परेड का प्रदर्शन किया। इस आयोजन में कुल सोलह टीमों के दो सौ पच्चीस खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। खेल मैदान में आयोजक सुनील शर्मा द्वारा प्रथम बॉल पर शॉट लगाकर टूर्नामेंट का विधिवत शुभारंभ किया गया।

विभिन्न टीमों के बीच मैच खेले गए । इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष किशोर शर्मा, अशोक मथुरिया, आरके शर्मा, बसंत शर्मा, पुष्करराज शर्मा, कामिनी भोजक, दिलीप शर्मा सहित देशभर से अनेक गणमान्य समाज बंधु उपस्थित थे।

कर्मों से आत्मा स्वयं ही परमात्मा स्वरूप को प्राप्त कर सकती है : साध्वी आत्मादर्शना

मैसूरु/दक्षिण भारत । शहर के सुविधिनाथ राजेंद्रसूरी जैन ट्रस्ट का एक शिष्टमंडल आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी आत्मादर्शनाश्री के दर्शन किए। शिष्टमंडल ने आगामी वर्ष 2026 का चातुर्मास मैसूरु में स्थापित सुविधिनाथ राजेंद्रसूरी जैन ट्रस्ट के तत्वावधान में करने का निवेदन किया। इस मौके पर साध्वीश्री ने कहा कि अहिंसा अर्थात किसी भी जीव को कष्ट न पहुंचाना। साध्वीश्री ने सत्य, अस्तेय, शुद्धता के सिद्धांतों पर चलने की प्रेरणा देते हुए कहा कि आत्मा अपने कर्मों से स्वयं ही अपने परमात्मा स्वरूप को प्राप्त कर सकती है।

जैन धर्म व्यक्ति और समाज में करुणा, क्षमा और सहिष्णुता के भाव को बढ़ावा देता है, ताकि सभी जीव शांति और आनंद प्राप्त कर सकें। इस अवसर पर अध्यक्ष शांतिलाल हरण, सचिव मांगीलाल गोवाणी, कोषाध्यक्ष धनेश मेहता, ट्रस्टी पृथ्वीराज मेहता, हंसराज पगारिया, मदनलाल हरण, मंगलचंद झोटा, शैलेश धोकड़, गुलाबचंद गांधी मेहता, अशोक क्षत्रिय वोहरा, जामंतराज वोहरा, जयंतीलाल कागरेचा, भंवरलाल वाणीगोता, विक्रम ओसवाल सहित संघ के अनेक पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

गुरुदेवों को समर्पित है मेरी तपस्या : तपस्वी प्रेमादेवी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। अखिल भारतीय राजेन्द्र जैन महिला परिषद की राष्ट्रीय अध्यक्षा प्रेमादेवी गांधी मुथा की राजेन्द्रसूरी तप यानी आठ अट्ठाई (64 दिन उपवास) व आठ एकासना की उग्र तपस्या गतिशील है। इस अवसर पर उनके तप अनुमोदनार्थ थराद संघ मुंबई के अध्यक्ष रमेश धरू बेंगलूरु पहुंचे। धरू ने उनकी तपस्या की अनुमोदना करते हुए कहा कि उनके दृढ़ संकल्प और समर्पण ने इस दीर्घ तपस्या को सार्थक बनाया है, निसंदेह यह कठिन है किंतु उनका धैर्य और विश्वास इस तपस्या को सफल बनाएगा। परिषद के राष्ट्रीय संरक्षक प्रकाश हिराणी, राष्ट्रीय वैयावच्च मंत्री भरत लाडू, दक्षिण प्रांतीय महामंत्री डूंगरमल चोपड़ा, मांगीलाल गांधीमुथा, राजेश मुथा ने तपस्वी के तप की अनुमोदना की। तपस्वी प्रेमादेवी गांधीमुथा ने अपनी तपस्या गुरुदेव राजेन्द्रसूरी एवं आचार्य जयंतसेनसूरी को समर्पित की।

आत्मा पर केंद्रित जीवन ही देता है वास्तविक शांति : साध्वी आगमश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विल्सन गार्डन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी आगमश्री ने कहा कि इस संसार में हर एक प्राणी शारीरिक और मानसिक वेदनाओं से ग्रसित है। मनुष्य किसी न किसी रूप में सुख और दु:ख का अनुभव करते रहते हैं। न जाने कितने लोग असहाय हैं, दु:ख से पीड़ित हैं। ऐसे पीड़ित प्राणियों को सम्बल देना, उनकी सहायता करना, उनका हाथ थाम लेना बहुत बड़ा पुण्य का कार्य है। कर्मों का खेल भी बड़ा निराला है। शुभ कर्म का फल शुभ तथा अशुभ कर्म का फल अशुभ ही होता है। धर्म के सहारे ही जीव को कर्मों के बंधन से मुक्ति प्राप्त होती है। लोक के अग्रभाग में सिद्ध भगवान विराजमान हैं, जो निरंजन एवं निराकार हैं और अनंत, अव्याबाध सुख के अधिकारी हैं। मनुष्य को अपने जीवन में दया, करुणा और परोपकार की भावना का विकास करना चाहिए। दूसरों के दु:ख को अपना दु:ख समझकर सेवा करने वाला ही सच्चा साधक कहलाता है। जो व्यक्ति धर्म को जीवन का आधार बनाता है, वही आत्मशांति और आत्मानंद का अनुभव कर सकता है। जब मनुष्य अपने भीतर की शक्ति को पहचानता है और आत्मा की ओर ध्यान केंद्रित करता है, तभी वास्तविक शांति, सुख और मुक्ति का मार्ग खुलता है। साध्वी धैर्याश्री ने कहा कि मनुष्य की वस्तुओं और पदार्थों पर आसक्ति, मोह और ममत्व के कारण ही कर्म बंधन होता है। आत्मा स्वभाव से शुद्ध, बुद्ध और मुक्त है, किन्तु अज्ञान और मोहवश वह संसार में बंध जाता है। यदि मनुष्य सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान और सम्यक चरित्र को जीवन में उतार ले, तो उसका मार्ग मोक्ष की ओर स्वत: प्रशस्त हो जाता है।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. Editor-Shreekant Parashar,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.)
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com